सूविचार

मनुष्य की महानता उसके कपडों से नहीं बल्कि उसके चरित्र से आँकी जाती है।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 12 | अंक : 43 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, मंगलवार 12 मई 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

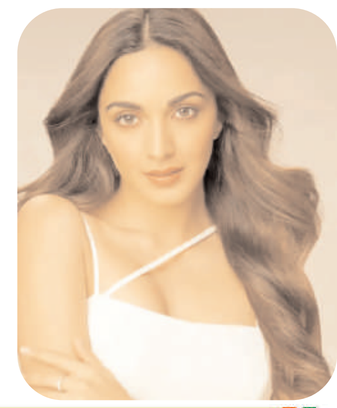

पुलिस के भरोसे पर ही सरकार सुशासन के मार्ग पर चलती है

प्रदेश पुलिस ने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर बनाई विशेष पहचान

दस्यु उन्मूलन, नक्सल विरोधी अभियानों, साम्प्रदायिक सद्भाव और कानून व्यवस्था बनाये रखने में योगदान देने वालों को किया गया पुरस्कृत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों ने अपने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। पुलिस के भरोसे पर ही सरकार सुशासन के मार्ग पर चलती है। राज्य की शांति और सुरक्षा व्यवस्था देशभक्ति और जनसेवा में समर्पित पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित कर मैं स्वयं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। यह पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की दक्षता, योग्यता और क्षमता का ही परिणाम है कि उन्हें के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश पुलिस ने जिस प्रकार से धाक और साख बनाई है वह निश्चित ही प्रशंसनीय है। पुलिस विभाग में जो भी नवाचार किया जाना है, राज्य सरकार का पूर्ण सहयोग उसके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की शांति और सुरक्षा के लिए असधारण कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को वर्ष 2019-2020 और 2020-2021 के लिए रविन्द्र भवन में आयोजित के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और उनके परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज दो वर्ष के पुरस्कार एक साथ दिये जा रहे है। कर्तव्यनिष्ठा और असाधारण कार्य के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दिये जाने वाले यह पुरस्कार आगामी वर्षों में प्रति वर्ष प्रदान किये जायें। यह सुनिश्चित किया जाये कि पुरस्कार वितरण में भविष्य में विलंब न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों की राशि बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। पहले पुलिस महानिदेशक (डीजी) स्तर पर 25 हजार रूपये तक के पुरस्कार दिए जाते थे, जिसे अब बढ़ाकर 50 हजार रूपये कर दिया गया है, जिससे उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का और अधिक उत्साहवर्धन हो सके। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिसकर्मियों को उनके जिले में पात्रता अनुसार आवास उपलब्ध कराने के लिए हाउसिंग बोर्ड एवं संबंधित प्राधिकरणों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहते हैं, इसलिए उनके व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं एवं कल्याण का ध्यान रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस कर्मी जिस प्रतिबद्धता से कार्य करते है वह सराहनीय है, उनके समर्पण के लिये मेरे मन में विशेष स्नेह और सम्मान का भाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस सेवा में भर्ती प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक युवा पुलिस बल से जुड़कर जन-कल्याण, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में अपनी भूमिका निभा सकें। वर्ष 2026 की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होते ही अगले वर्ष की भर्ती प्रक्रिया आरंभ कर दी जायेगी। इस क्रम में जिला बल में पुलिस बैंड के लिये भी भर्ती प्रक्रिया आरंभ की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह ने वर्ष 2026 तक देश से नकस्ली उन्मूलन का संकल्प लिया था। हमने वह लक्ष्य डेडलाइन से पहले ही पूरा कर लिया। पुलिस का एक-एक जवान इसकी बधाई का पात्र है। एक समय ऐसा था जब सुरक्षा बलों में भी नक्सलियों का भय व्याप्त था। हथियार तथा हथियारबंद गिरोह तथा आतंक से किसी संवैधानिक व्यवस्था को डराना कभी संभव नही होना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की इच्छाशक्ति के बलबूते पर ही देश नक्सली समस्या से मुक्त हो पाया। इस उपलब्धि के लिए देश उनका ऋणी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश नया दौर देख रहा है और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह के प्रयासों से हम देश में सकारात्मक बदलाव का अनुभव कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी पद्मविभूषण के.एफ. रुस्तमजी का स्मरण करते हुए कहा कि वे पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणा पुंज रहेंगे। प्रदेश में चम्बल के बीहड़ों से डाकुओं के गिरोहों का सफाया कर जनता को भयमुक्त करने की चुनौती हो या नागपुर दंगों पर नियंत्रण का विषय हो।

संक्षिप्त समाचार

केरल में सीएम के नाम पर संशय, बीजेपी का तंज.......5 साल में 5 मुख्यमंत्री बनाएंगे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में नए मुख्यमंत्रियों ने शपथ ले ली है, जबकि पुडुचेरी और असम में नेतृत्व संबंधी निर्णयों की औपचारिक घोषणा हो गई है। केवल केरल में ही कांग्रेस पार्टी दवारा सीएम के नाम का ऐलान नहीं किया गया है, जहां मुख्यमंत्री के नाम को लेकर नई दिल्ली में पर्दे के पीछे गहन चर्चा चल रही है। मामले पर बीजेपी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कांग्रेस की अंदरूनी कलह बताया। केरल में मुख्यमंत्री के नाम पर जारी संशय को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्त ा शहजाद पूनावाला ने वीडियो जारी कर कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा, भाजपा ने बंगाल में सरकार बना ली है। असम में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा कर दी गई है। लेकिन केरल में पूर्ण बहुमत मिलने के बावजूद कांग्रेस पूरी तरह असमंजस में है। बीजेपी प्रवक्त ा पूनावाला ने कहा, यह कांग्रेस का तरीका है। शायद वे केरल में हर साल एक और 5 साल में 5 मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने उदाहरण देकर कहा, इससे पहले हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और पंजाब में पहले भी सीएम पद को लेकर पार्टी की अंदरूनी कलह खुलकर सामने आई। हम लोगों ने इन सभी राज्यों में मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस बनाम कांग्रेस का संघर्ष देखा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, आईएनसी का मतलब आई नीड चेयर, आई नीड सत्ता। वहीं मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की हाईकमान केरल सीएम को लेकर अंतिम निर्णय लेने से पहले हरसंभव राजनीतिक परिणाम पर सावधानीपूर्वक विचार कर रही है।

बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ हत्याकांड में यूपी से शूटर गिरफ्तार

लखनऊ। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी हत्याकांड में सीआईडी ने तीन शूटरों को गिरफ्तार किया हैं। एक शूटर यूपी के बलिया का है और दो बिहार के बक्सर से हैं। तीनों शूटरों को पुलिस बंगाल लेकर गई है। माना जा रहा कि पूछताछ में आरोपियों से बड़ी सूचना सामने आ सकती है। चंद्रनाथ रथ हत्याकांड के खुलासे में जुटी पुलिस और खुफिया एजेंसियां, आरोपियों द्वारा टोल प्लाजा पर किए एक पेमेंट के जरिये उन तक पहुंची हैं। बताते हैं कि एक आरोपी ने टोल प्लाजा पर यूपीआई द्वारा पैमेंट किया था। उसी लिंक से बंगाल पुलिस पहले बिहार और यूपी पहुंची है। बिहार के बक्सर जिले से मयंक राज मिश्रा और विक्क ी मौर्य नामक शूटरों को पकड़ा है। यूपी के बलिया से राज सिंह को गिरफ्तार किया है। राजसिंह के भी ज्यादातर बक्सर में रहने के तथ्य सामने आ रहे हैं। स्थानीय पुलिस की उपस्थिति में पूछताछ के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया और बंगाल ले गई। गौरतलब है कि चंद्रनाथ रथ, बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक थे। बीती छह मई को कोलकाता में अज्ञात हमलावारों ने उनकी गाड़ी का पीछा करके ताबड़तोड़ गोलियों से भून डाला था।

राहुल गांधी मानहानि मामले में बहस टली, अब 21 मई को सुनवाई

सुलतानपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के दौरान बहस नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई, जहां परिवादी पक्ष की ओर से वॉयस सैंपल की मांग खारिज किए जाने के आदेश को सेशन कोर्ट में चुनौती देने हेतु समय मांगा गया। परिवादी के अधिवक्त ा संतोष पांडेय ने अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर रिवीजन दाखिल करने के लिए अवसर देने की मांग की। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्त ा काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि अदालत ने परिवादी को एक अवसर प्रदान करते हुए मामले की अगली सुनवाई एवं बहस के लिए 21 मई की तारीख नियत की है।

चुनाव खत्म होते ही पीएम को याद आया 'संकट' : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनता से कम खर्च करने और खाने के तेल की खपत कम करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर तंज करते हुए सोमवार को कहा कि यह गुजारिश सरकार की अपनी असफलता की 'स्वीकारोक्ति' है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तेलंगाना में एक रैली में आम जनता से पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे हालात में ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल करने और सोने की खरीद तथा विदेश यात्रा को एक साल के लिए टालने जैसे कई उपाय सुझाए जाने पर तंज करते हुए 'एक्स' पर कहा कि चुनाव ख़त्म होते ही, 'संकट' याद आ गया! दरअसल देश के लिए 'संकट' सिर्फ़ एक है और उसका नाम है- 'भाजपा'। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गयी है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए क्योंकि जनता तो वैसे भी 1.5 लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है। भाजपाई ही अपनी काली कमाई का स्वर्णीकरण करने में लगे हैं।

रेल मंत्री का बड़ा दावा: बुलेट ट्रेन खत्म करेगी छोटे रूटों पर हवाई सफर

» अश्विनी वैष्णव के बयान ने बढ़ा दी एयरलाइंस के लिए चुनौती

नई दिल्ली। भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आने वाले वर्षों में, भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क कई छोटे घरेलू हवाई मार्गों पर हवाई यात्रा को करीब-करीब समाप्त कर देगा। सीआईआई बिजनेस समिट में रेल मंत्री वैष्णव ने एयरलाइन निवेशकों को आगाह कर संकेत दिया कि मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और बेंगलुरु-चेन्नई जैसे प्रमुख रूटों पर यात्री अब फ्लाइट के बजाय बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने वाले है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव का तर्क है कि जिस तरह जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में हाई-स्पीड रेल ने घरेलू विमानन बाजार को पूरी तरह बदल दिया है, ठीक उसी तरह भारत में भी एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री के अनुसार, मुंबई से पुणे की दूरी बुलेट ट्रेन से केवल 48 मिनट में तय होगी। इसी तरह, पुणे से हैदराबाद की यात्रा 1 घंटा 55 मिनट में, हैदराबाद से बेंगलुरु की यात्रा 2 घंटे 8 मिनट में और बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा महज 78 मिनट में पूरी होगी। इतनी कम यात्रा अवधि के साथ, लोग हवाई अड्डों पर लंबी सुरक्षा जांच, शहर के ट्रैफिक और उड़ानों में होने वाली देरी जैसी परेशानियों से बचने के लिए बुलेट ट्रेन को कहीं अधिक सुविधाजनक पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताकर कहा कि भविष्य में इन रूटों पर 99 प्रतिशत यात्रा रेलवे के माध्यम से ही होगी, जिससे हवाई यात्रा की प्रासंगिकता करीब खत्म हो जाएगी। रेल मंत्री वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी योजना के वित्तीय पहलू पर भी प्रकाश डाला, बताया कि भारत सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। इस परियोजना का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय कंपनियों और सप्लायर्स को मिलेगा, जिससे देश में रोजगार के नए मौके पैदा होने और विनिर्माण क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने घोषणा की कि सरकार जल्द ही नए कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है और परियोजना को निर्धारित समय से भी तेज गति से पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि इस सपने को जल्द से जल्द हकीकत में बदला जा सके।

भाजपा महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट को भी देशभक्ति से जोड़ रही : संजय सिंह

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को एक्स पर कहा कि पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने जनता का बोझ उठाने से हाथ खड़े कर दिए हैं। संजय सिंह ने कहा कि चुनाव तक सरकार जनता को भरोसा दिलाती रही कि देश में किसी चीज की कोई कमी नहीं है, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही जनता को तेल, गैस और सोने का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी जाने लगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट को भी देशभक्ति से जोड़कर जनता को मानसिक रूप से दबाव में रखने का काम कर रही है, जबकि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग खुद ऐशोआराम, विदेशी यात्राओं और भव्य आयोजनों में किसी प्रकार की कटौती नहीं कर रहे हैं। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं यह कहा कि पिछले दो महीने से सरकार जनता का बोझ उठा रही थी।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति की सबसे अस्वीकृत वस्तु, फडणवीस का तीखा हमला

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला कर उन्हें भारतीय राजनीति में सबसे अस्वीकृत वस्तु करार दिया। सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को सभी राज्यों के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है, जबकि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह आलोचना राहुल गांधी द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों की आलोचना करने के बाद की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति में सबसे ज्यादा नकारे गए व्यक्ति हैं, हर राज्य में सभी ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने गांधी को एक ऐसा उत्पाद जो कि जनता ने किनारे कर दिया है। फडणवीस ने जोर दिया कि लोकतंत्र में केवल वही मायने रखता है जिसे जनता स्वीकार करती है, और राहुल गांधी जैसे लगातार नकारे जा रहे व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें बार-बार अपना आशीर्वाद देता है।

ये टिप्पणियाँ प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों पर राहुल गांधी की आलोचना के बाद आईं, जो पश्चिम एशिया संकट के जवाब में की गई थीं। पीएम मोदी की अपीलों में खाद्य तेल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और प्राकृतिक खेती अपनाने जैसे अनुरोध शामिल थे, जिनका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक दबावों से निपटना था।

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा: एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है।

आयोजन

वायुसेना ने भी दिखाई जांबाजी, 75 साल का गौरव

सोमनाथ के शिखर पर पहली बार कुंभाभिषेक, पीएम मोदी ने की महापूजा

अहमदाबाद। गुजरात के गिर सोमनाथ में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के मंदिर में आज सोमनाथ अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और महापूजा में भाग लिया। पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और भक्तिमय संगीत से सराबोर रहा। इस अवसर पर देशभर के साधु-संतों, कलाकारों और हजारों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ पहुंचकर सबसे पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को नमन किया, जिन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया था। इसके पश्चात, मंदिर के इतिहास में पहली बार शिखर पर कुंभाभिषेक का अलौकिक दृश्य देखने को मिला। देश के 11 पवित्र तीर्थस्थलों के जल से भरे एक विशाल पांच फुट ऊंचे कलश को क्रेन की सहायता से करीब 90 मीटर ऊंचे मंदिर शिखर तक पहुंचाया गया, जहां शास्त्रों के अनुसार जलाभिषेक संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री ने इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया। धार्मिक समारोह के साथ-साथ आज सोमनाथ की धरती पर राष्ट्रभक्ति और शौर्य का संगम भी देखने को मिला। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने मंदिर परिसर के ऊपर हैरतअंगेज एयर शो का प्रदर्शन किया। छह हॉक एमके-132 विमानों ने आसमान में आकर्षक फॉर्मेशन बनाकर दर्शकों का मन मोह लिया।

सरस्वती शिशु मंदिर बैरसिया में 10 दिवसीय आचार्य दक्षता प्रशिक्षण

प्रदीप कुमार

सरस्वती शिशु मंदिर विद्या विहार बैरसिया में विद्या भारती मध्य भारत प्रांत की योजना अनुसार आयोजित 10 दिवसीय आचार्य दक्षता प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ इस वर्ग में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अखिलेश जी मिश्रा सम्मिलित हुए विद्या विहार समिति के सचिव दीपक दुबे,वर्ग पालक अधिकारी राजेंद्र सिंह परमार, वर्ग संयोजक रामकुमार व्यास, विद्या विहार के प्राचार्य सुनील कुमार नागर द्वारा स्वागत किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में अखिलेश मिश्रा ने पुण्य भूमि भारत का सांस्कृतिक परिचय विषय पर प्रशिक्षार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आचार्य दक्षता वर्ग, आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग की अगली महत्वपूर्ण सीढ़ी है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व 1968 एवं 1986 में भी शिक्षा नीतियां बनीं, किंतु उनमें भारतीयता का समुचित समावेश नहीं था।

श्री मिश्रा ने कहा कि अंग्रेजी शासन के प्रभाव से हमारी शिक्षा व्यवस्था भारतीय संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से दूर होती चली गई। मुगलों का इतिहास विस्तार से पढ़ाया गया, जबकि शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, चाणक्य और महर्षि कणाद जैसे महान भारतीय विभूतियों का समुचित अध्ययन नहीं कराया गया। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि प्राचीन भारत में प्रत्येक गांव में पाठशालाएं थीं तथा तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और काशी जैसे विद्या केंद्र विश्वविख्यात थे। ह्वेनसांग और मैगस्थनीज जैसे विदेशी यात्रियों ने भी भारत की समृद्ध संस्कृति और शिक्षा व्यवस्था का गौरवपूर्ण वर्णन किया है।

मिश्रा ने कहा कि वेद, उपनिषद, यज्ञ, हवन, चिकित्सा, साहित्य, कला और विज्ञान जैसे विषयों पर भारत में प्राचीन काल से व्यापक कार्य हुआ है। दिल्ली स्थित कुतुबमीनार के समीप का लौह स्तंभ भारतीय विज्ञान की उत्कृष्टता का उदाहरण है। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन एवं प्रचार-प्रसार का आह्वान किया।

प्रशिक्षण में उपस्थित सभी प्रशिक्षार्थियों ने विषय को अत्यंत प्रेरणादायी बताते हुए भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु संकल्प लिया।

जावर पुलिस ने अवैध शराब मामले में फरार आरोपी को दबोचा, 81 लीटर देशी शराब जब्त

करीब 36 हजार रुपये की शराब शमशान घाट के टैंकर से बरामद, एक आरोपी अब भी फरार

विष्णु प्रसाद राठौर जिला संवाददाता, दैनिक इंटरनल न्यूज़ क्षेत्र जिला सीहोर / भोपाल

जावर अवैध शराब के परिवहन और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना जावर पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 18 अप्रैल 2026 को ग्राम बमुलिया के शमशान घाट में खड़े पुराने पानी के टैंकर से 450 क्वार्टर देशी प्लेन शराब जब्त की थी, जिसकी कीमत करीब 36 हजार रुपये आंकी गई थी।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शमशान घाट के अंदर खड़े टैंकर की तलाशी ली। टैंकर के अंदर छिपाकर रखे गए 180 एमएल के 450 क्वार्टर देशी शराब बरामद की गई। मामले में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी।

विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 9 मई 2026 को आरोपी राहुल पिता कुमैर सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी बमुलिया रायमल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ जारी है। वहीं इस मामले में शामिल एक अन्य फरार आरोपी अरविंद सैंधव निवासी जोलाई की तलाश की जा रही है।

इस सराहनीय कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक हेमंत पांडेय, उप निरीक्षक संतोष विश्वकर्मा, प्रधान आरक्षक सुनील वर्मा, श्रीराम जाट, तेजभान सिंह, आरक्षक नरेन्द्र सैंधव, मनोज जाट, अनिल चौधरी, सुरेन्द्र मंडलोई, सैनिक राहुल परमार और बने सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही। थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

'साधना सप्ताह' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शासकीय सेवकों को किया गया सम्मानित

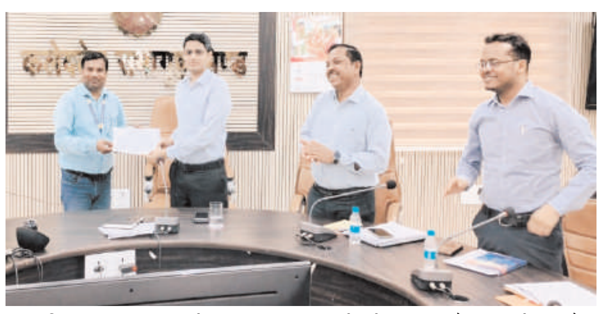

भिण्ड। भिण्ड कलेक्टर द्वारा द्वतह्ल्ञ कर्मयोगी पोर्टल पर आयोजित 'साधना सप्ताह अभियान' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शासकीय अधिकारियों/ कर्मचारियों को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किया गया। जिसमें श्री नरेश सिंह नरवरिया खण्ड स्तर अन्वेषक योजना एवं सांख्यिकी विभाग (मध्यप्रदेश में प्रथम रैंक), श्री दीपक शर्मा डीईओ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (मध्यप्रदेश में प्रथम रैंक), श्री नवीन सिंह तोमर सहा.ग्रेड-2 डीटीआईसी (मध्यप्रदेश में चतुर्थ रैंक), श्री देव कुमार दुबे उच्च मा.शिक्षक (मध्यप्रदेश में चतुर्थ रैंक एवं जिले में प्रथम रैंक), चेष्टा जैन लीड ट्रेनर ई दक्ष केंद्र भिण्ड (मध्यप्रदेश में चतुर्थ रैंक एवं विभाग में प्रथम रैंक), डॉ. आलोक शर्मा (मध्यप्रदेश में सातवीं रैंक), श्री अभिनव उछावल प्राथमिक शिक्षक आदिम जाति कल्याण विभाग (मध्यप्रदेश में 14वीं रैंक एवं चम्बल संभाग में तृतीय रैंक) को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर iGOT पोर्टल के माध्यम से निरंतर सीखने और स्वयं को अपडेट रखने के लिए प्रेरित किया। 'साधना सप्ताह' अभियान का उद्देश्य शासकीय सेवकों की कार्यकुशलता, कौशल विकास और सेवा गुणवत्ता में सुधार लाना है।

भोपाल। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार द्वारा शिवालय विला थाना अवधपुरी क्षेत्र में नागरिकों से जनसंवाद किया गया व उनके द्वारा निम्न बातें बताई गई। शराब दुकान के सामने सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाये जाने का सुझाव दिया। आमजन द्वारा थाने में पुलिस बल बढ़ाने की मांग की गई।

भोपाल। अपराधों की रोकथाम एवं शांति व सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशों पर शहर के समस्त थानों के संवेदनशील क्षेत्रों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर थाना स्टॉफ द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं लोगों की सघनता से चेकिंग की जा रही है।

3 करोड़ से अरहेड़ी में बनेगी सड़क, विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया शुभारंभ

भोपाल। विधायक रामेश्वर शर्मा ने एक दर्जन से अधिक गांवों का दौरा किया। इस दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा ने अरहेड़ी में लगभग 3 करोड़ की लागत से बनने वाले सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह सड़क लोक निर्माण विभाग द्वारा बनायी जाएगी। बहुप्रतीक्षित इस सड़क निर्माण से इस पूरे क्षेत्र में बड़ी राहत मिलेगी। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा की हुजूर विधानसभा के गांव गांव तक शहर जैसा विकास पहुंचाना मेरा संकल्प है। इसलिए गांवो में पक्की और मजबूत सड़कों का निर्माण जल जीवन मिशन से पेय जल का नेटवर्क बिछाया जा रहा है। हर घर को नल से जल के साथ साथ सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ग्रामोदय से भारत उदय के संकल्प को हम सभी को मिलकर पूरा करना है। मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के नेतृत्व में विकास और कल्याण के कार्य बहुत तेजी से किए जा रहे है। रविवार की विधायक रामेश्वर शर्मा ने सुखी सेवनिया में लगभग 3 करोड़ की लागत से बनने वाले नवीन स्कूल भवन के निर्माण हेतु स्थल निरीक्षण किया।

मप्र युवा आयोग अध्यक्ष नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता प्रवीण शर्मा को मध्यप्रदेश युवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बधाई स्वरूप बड़े-बड़े होर्डिंग एवं पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टरों के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने श्री प्रवीण शर्मा को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। होर्डिंग्स में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के चित्रों के साथ संगठन के युवा कार्यकर्ताओं के संदेश भी प्रदर्शित किए गए हैं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं का कहना है कि श्री प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में युवाओं को नई दिशा मिलेगी तथा प्रदेश में युवा हितों से जुड़े कार्यों को मजबूती मिलेगी। शहरभर में लगाए गए स्वागत पोस्टरों ने आम लोगों का भी ध्यान आकर्षित किया है।

नामदेव समाज विकास परिषद चुनाव का मतदान 17 को

भोपाल। नामदेव समाज विकास परिषद मध्य प्रदेश के निर्वाचन समिति की बैठक रविवार को सामुदायिक भवन नामदेव समाज भोपाल, में मुख्य चुनाव अधिकारी से अजय कुमार नामदेव एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्वाचन समिति के सहायक चुनाव अधिकारी एवं अन्य चुनाव व्यवस्था अधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक में 17 मई को होने वाले निर्वाचन के संबंध में16 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नामांकन फॉर्म प्रांतीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए फॉर्म शुल्क 11000 नामांकन नगद राशि अदा करके इच्छुक अभ्यर्थी/ प्रत्याशी प्राप्त कर सकते हैं और दोपहर 2 बजे तक फॉर्म जमा किया जा सकेगा। नामांकन शुल्क किसी भी स्थिति में वापसी योग्य नहीं होगा दोपहर 3 से फॉर्म की स्कूटीनी की जावेगी तथा 4 बजे सभी प्रत्याशियों की अंतिम सूची प्रकाशित की जावेगी।

नगर परिषद भैरुंदा में विकास कार्यों की श्रृंखला जारी, वार्ड-11 बजरंग कुटी प्रांगण में हुआ भूमि पूजन

भैरुंदा, सीहोर -नगर परिषद भैरुंदा द्वारा नगर विकास को गति देते हुए आज वार्ड क्रमांक 11 स्थित बजरंग कुटी एवं खेड़ापति सरकार मंदिर प्रांगण में नवीन पेबर ब्लॉक एवं छोटी कवर्ड नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस निर्माण कार्य की कुल लागत 8 लाख 88 हजार रुपये है।

भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री रवि मालवीय जी, नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर जी, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री रितेश मकवाना जी एवं किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश पवार जी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्रीमती विद्या राजेश पवार जी, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री आशीष शर्मा जी, गोपालपुर मंडल अध्यक्ष श्री पंकज पवार जी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री चंद्रकांत खंडेलवाल जी, श्री जितेंद्र गौड़ जी, नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री राजेश लखेरा जी, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्री कैलाश धावरे जी, श्री कपिल खंडेलवाल जी, श्री संजय पटेल जी, श्रीमती रचना भार्गव जी, श्रीमती अलका चौहान जी विशेष रूप से मौजूद रहे। साथ ही पार्षद श्री ओम प्रकाश पवार जी, श्री मेहरबान सिंह जी, श्री गौरव शर्मा जी, वार्ड के वरिष्ठ नागरिक, वार्ड प्रभारी श्री सचिन राठौर एवं नगर परिषद कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर ने कहा कि परिषद नगर के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और हर वार्ड में प्राथमिकता से मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

योग से बढ़े याददाश्त, आत्मबल और सीखने की जिज्ञासा: योग गुरु महेश अग्रवाल

स्कूल की छुट्टियों में योग - बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे सुंदर शुरुआत - स्कूल की छुट्टियाँ केवल मनोरंजन और आराम का समय नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का सुनहरा अवसर भी होती हैं। यदि बच्चे सुबह और शाम नियमित योग अभ्यास करें, तो उनका शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास अत्यंत सकारात्मक रूप से होता है। योग अभ्यास बच्चों के शरीर को स्वस्थ, लचीला और ऊर्जावान बनाता है। प्राणायाम और ध्यान से मन शांत होता है तथा एकाग्रता बढ़ती है। नियमित योग करने वाले बच्चों की याददाश्त तेज होती है और पढ़ाई में रुचि बढ़ती है। उनमें नई चीज़ें सीखने की जिज्ञासा और रचनात्मक सोच विकसित होती है। योग बच्चों के भीतर आत्मबल, अनुशासन और आत्मविश्वास का निर्माण करता है।मोबाइल और टीवी की बढ़ती आदत से दूर रखने में योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग के माध्यम से बच्चे प्रकृति, संस्कार और सकारात्मक जीवनशैली से जुड़ते हैं। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन तथा अनुलोम-विलोम जैसे सरल अभ्यास बच्चों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। सुबह का योग दिनभर ऊर्जा और उत्साह देता है, जबकि शाम का योग मानसिक तनाव को दूर करता है। योग बच्चों में सजगता, धैर्य और अच्छे व्यवहार का विकास करता है। समूह में योग करने से मित्रता, सहयोग और सामाजिक भावना भी मजबूत होती है। आज आवश्यकता है कि अभिभावक छुट्टियों में बच्चों को योग से जोड़ें, ताकि उनका भविष्य स्वस्थ, संस्कारित और आत्मविश्वासी बन सके। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ बनाने की एक दिव्य कला है।

भोपाल में 16 मई को होगा पेड्डी का ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च, राम चरण-जान्हवी कपूर की मौजूदगी संग ए. आर. रहमान की हो सकती है लाइव परफॉर्मेंस!

पेड्डी पहले ही साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में अपनी जगह बना चुकी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में जान्हवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं, और अनाउंसमेंट के बाद से ही इसे लेकर फैंस और इंडस्ट्री के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। इसी बढ़ते क्रेज के बीच अब फिल्म के प्रमोशन को नई रफ्तार देते हुए टीम 16 तारीख को भोपाल पहुंचने जा रही है, जहां से एक्साइटमेंट और भी बढ़ने वाली है।

हमने अपने सूत्रों से खास तौर पर जाना है कि पेड्डी का ट्रेलर अगले वीकेंड शनिवार को भोपाल में होने वाले भव्य लॉन्च इवेंट में रिलीज किया जा सकता है। इस खास मौके पर राम चरण, निर्देशक बुची बाबू साना, निर्माता वेंकट सतीश किलारू, सुकुमार और जान्हवी कपूर के शामिल होने की उम्मीद है। इस इवेंट की भव्यता को और खास बनाने के लिए ए. आर. रहमान के भी मौजूद रहने और लाइव परफॉर्मेंस देने की संभावना है। बड़े स्तर पर प्लान किया जा रहा यह लॉन्च इस साल के सबसे बड़े फिल्म इवेंट्स में से एक साबित हो सकता है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को अमेरिका में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। वहीं हाल ही में सुकुमार ने पेड्डी के सेट्स का दौरा किया था और फिल्म के ओवरऑल कंटेंट की काफी सराहना की। फिल्म का अब तक सामने आया हर कंटेंट दर्शकों तक शानदार तरीके से पहुंचा है और हर तरफ लोगों से मजबूत जुड़ाव बना रहा है।

हर नए कंटेंट के साथ, पेड्डी सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनती जा रही है। फिल्म का हर कंटेंट ड्रॉप चाहे वो टीज़र हो, ÷चिकिरी चिकिरी÷ गाना हो, ÷रई रई रा रा÷ गाना हो या पोस्टर-शानदार ढंग से काम कर गया है। हर एक चीज़ हमें बहुत ही अनोखे तरीके से पेड्डी की दुनिया में ले गई है। यह पूरी तरह से कंटेंट की सफलता है, जिसमें कोई दिखावा नहीं है। बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित, पेड्डी में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ शिव राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू नजर आएंगे। वेंकट सतीश किलारू द्वारा उनके बैनर वृद्धि सिनेमाज के तहत और प्रमुख प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स के सहयोग से निर्मित, तथा उत्तर भारत में जियो स्टूडियोज द्वारा रिलीज की जा रही यह फिल्म 4 जून 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

वार्ड 9 में वर्षों पुरानी समस्या का समाधान, डामरीकृत सड़क बनने से रहवासियों को मिली बड़ी राहत

नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन और पार्षद ईश्वर दास जमींदार की पहल पर हुआ निर्माण कार्य, बारिश में कीचड़ और जलभराव से परेशान नागरिकों ने जताया आभार

सिवनी मालवा। नगर पालद्ध्रद्ध परिषद सिवनी मालवा द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। खासतौर पर उन क्षेत्रों पर प्राथमिकता से ध्यान दिया जा रहा है जहां वर्षों से कच्ची सड़क होने के कारण नागरिकों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन एवं संबंधित वार्डों के पार्षद लगातार क्षेत्रीय दौरे कर समस्याओं का जायजा ले रहे हैं और त्वरित समाधान की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 9 स्थित साईं कैंपस गली नंबर 1, आदिवासी छात्रावास के पीछे की सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। यह सड़क पिछले करीब आठ वर्षों से कच्ची थी, जिसके कारण बरसात के दिनों में यहां की स्थिति बेहद खराब हो जाती थी। सड़क पर कीचड़ और जलभराव होने से पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता था, वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहन निकालने में भी लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। मांग को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन और वार्ड पार्षद ईश्वर दास जमींदार ने मौके पर पहुंचकर सड़क का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के बाद तत्काल सड़क निर्माण का निर्णय लिया गया और विधिवत भूमि पूजन संपन्न कराया गया। खास बात यह रही कि भूमि पूजन के महज तीन दिन बाद ही सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कर डामरीकृत पक्की सड़क तैयार कर दी गई। सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद वार्डवासियों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब बरसात के मौसम में उन्हें कीचड़ और फिसलन की समस्या से राहत मिलेगी, साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और वाहन चालकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा भी प्राप्त होगी। वार्ड के नागरिक राममोहन रघुवंशी, भागवत मालवीय, कचोरीलाल लौवंशी, श्रीमती गीता ठाकुर, भूपेंद्र ठाकुर, प्रकाश रघुवंशी, बबलू रोकड़े, ललित गुर्जर, मनमोहन गौर, आकाश तुमराम, ललित सारला, बबलू रघुवंशी एवं शरद लौवंशी सहित अन्य रहवासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हुआ है।

गूगल बॉय कौटिल्य पंडित के दादाजी जयकिशन शर्मा की हीरक जयंती धूमधाम से संपन्न, प्रदेश कांग्रेस नेताओं ने दी शुभकामनाएं

हरियाणा के चर्चित गूगल बॉय कौटिल्य पंडित के दादाजी जयकिशन शर्मा के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर परिवार द्वारा सोनीपत स्थित निवास पर भव्य हीरक जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजकुमार केलू उपाध्याय एवं अपर्णा दीक्षित विशेष रूप से उपस्थित हुए और श्री शर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। समारोह में परिवार, रिश्तेदारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही। इस दौरान नेताओं ने कौटिल्य पंडित और उनके परिजनों से आत्मीय मुलाकात कर शिक्षा, युवा प्रतिभाओं और देश के भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा की। कौटिल्य पंडित ने भी अपने अध्ययन अनुभव साझा किए। गौरतलब है कि हरियाणा के करनाल निवासी कौटिल्य पंडित अपनी अद्भुत स्मरण शक्ति और सामान्य ज्ञान के कारण देशभर में गूगल बॉय के नाम से प्रसिद्ध हैं। वर्तमान में उन्हें इंग्लैंड की प्रतिष्ठित University of O&ford में फिजिक्स की पढ़ाई के लिए प्रवेश मिला है, जहां वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। दादाजी की हीरक जयंती में शामिल होने के लिए वे इन दिनों भारत आए हुए हैं। समारोह में परिवार के सदस्यों ने इसे गौरव और पारिवारिक एकता का विशेष अवसर बताया।

देश में पहली बार ड्रोन एवं फायर रिटार्डेंट की मदद से एरियल फायर फाइटिंग का अभिनव प्रयास

भोपाल। दक्षिण पन्ना वनमण्डल द्वारा वन अग्नि प्रबंधन हेतु एक अभिनव पहल करते हुए शाहनगर वन परिक्षेत्र में ड्रोन एवं फायर रिटार्डेंट ÷मोनो अमोनियम फॉस्फेट÷ आधारित मिश्रण की सहायता से ÷एरियल फायर फाइटिंग÷ का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। यह प्रयास देश में अपनी तरह के प्रारंभिक प्रयासों में से एक माना जा रहा है, जिसमें वन क्षेत्र में आगजनी पर नियंत्रण हेतु आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उपयोग किया गया। इस कार्य में दक्षिण पन्ना वनमण्डल के साथ राज्य वन अनुसंधान संस्थान (स्स्रत्रद्ध) का तकनीकी सहयोग भी प्राप्त हुआ।

ग्रीष्मकाल में दूरस्थ एवं दुर्गम वन क्षेत्रों में लगने वाली आग तक वन अमले का समय पर पहुंच पाना कई बार अत्यंत कठिन हो जाता है। कई परिस्थितियों में आग तीव्र होने पर वन कर्मचारियों को सीधे आग के समीप कार्य करना पड़ता है, जिससे उनके जीवन को गंभीर जोखिम उत्पन्न होता है। वर्तमान में अधिकांश वन क्षेत्रों आगजनी घटनाओं को मैनुअल तरीकों जैसे फायर बीटिंग, काउंटर फायर एवं लीफ ब्लोअर आदि के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है। ऐसे में ड्रोन अथवा हेलीकॉप्टर आधारित एरियल फायर फाइटिंग भविष्य में वन कर्मियों की सुरक्षा बढ़ाने, दुर्गम क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया देने तथा आग की प्रारंभिक अवस्था में नियंत्रण स्थापित करने का एक संभावित विकल्प बन सकता है।

प्रयोग के दौरान ड्रोन के माध्यम से वन क्षेत्र में 0.1 हेक्टेयर के स्थल पर मोनो अमोनियम फॉस्फेट (स्न्रक्क) आधारित फायर रिटार्डेंट का नियंत्रित छिड़काव किया गया। यह रसायन आग की तीव्रता एवं उसके प्रसार को कम करने में सहायक माना जाता है। इस पहल का उद्देश्य केवल तकनीकी प्रदर्शन तक सीमित न होकर इसकी व्यवहारिक उपयोगिता, लागत, प्रभावशीलता एवं संभावित पारिस्थितिक प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करना भी है। इसके अंतर्गत विभिन्न मौसमों में अनेक परीक्षण, फील्ड विजिट, अवलोकन एवं मिट्टी, जल एवं अन्य नमूनों का संग्रहण एवं विश्लेषण किया जाएगा, जिसके बाद ही इसकी वास्तविक प्रभावशीलता, आर्थिक व्यवहार्यता एवं पर्यावरणीय स्थिरता के संबंध में निष्कर्ष निकाले जाएंगे।

वन्यजीव आवासों में वन अग्नि प्रबंधन के लिए उपयोगी

दक्षिण पन्ना वन विभाग द्वारा बताया गया कि यदि यह तकनीक वैज्ञानिक अध्ययन में व्यवहारिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से उपयुक्त पाई जाती है, तो भविष्य में इसका उपयोग दुर्गम वन क्षेत्रों, तीव्र वनाग्नि परिस्थितियों तथा संवेदनशील वन्यजीव आवासों में वन अग्नि प्रबंधन के लिए किया जा सकता है। वन विभाग का यह प्रयास वन अग्नि प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों के सुरक्षित, वैज्ञानिक एवं उत्तरदायी उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गोस्वामी समाज द्वारा निकाले गए भव्य चल समारोह का रायसिंह मेवाडा मित्र मंडल ने किया स्वागत

आष्टा। नगर में आज आदिगुरु शंकराचार्य जी की जयंती ब? ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। अखिल भारतीय गोस्वामी सभा के तत्वावधान में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में गोस्वामी समाज द्वारा एक विशाल चल समारोह निकाला गया, जिसमें समाज की एकजुटता और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला।

मानस भवन से शुरू हुआ भक्ति का कारवां - चल समारोह का शुभारंभ स्थानीय श्री मानस भवन से हुआ। यहां विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात बैंड-बाजों और भगवा ध्वजों के साथ शोभायात्रा प्रारंभ हुई। समारोह में सबसे आगे आदिगुरु शंकराचार्य जी की सुसज्जित झांकी चल रही थी, जिसके पीछे ब?ी संख्या में समाजजन भजन-कीर्तन, नाचते-गाते हुए चल रहे थे। यह चल समारोह नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होता हुआ गल चौराहा पहुंचा, जहां नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवा?ा के नेतृत्व में पूरी परिषद ने चल समारोह का पुष्पवर्षा कर आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंच से धर्म और समाज की विभूतियों का सम्मान किया गया, जिनमें मुख्य रूप से श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर राजगुरू महाराज, गोस्वामी समाज अध्यक्ष आनंद गोस्वामी, अरविंद गोस्वामी, ओमप्रकाश पुरी, जमनागिरी गोस्वामी, राजेन्द्र गिरी, महेश गिरी गोस्वामी, छगनपर्वती गोस्वामी, राकेश गिरी सहित समाज के अन्य वरिष्ठजन और महिला संगठनों की पदाधिकारियों का साफा बांधकर एवं पुष्पमालाएं पहनाकर नगरपालिका की ओर से विशेष सम्मान किया गया।

हरदा के राष्ट्रीय इनामी दंगल में छाए कुश्ती किंग बाबा लाड़ी पहलवान, खेल प्रेमियों में दिखा जबरदस्त उत्साह

नर्मदापुरम/इटारसी। हरदा में विगत दिवस आयोजित राष्ट्रीय स्तर के भव्य इनामी दंगल ने खेल प्रेमियों और कुश्ती प्रशंसकों को रोमांच से भर दिया। दंगल का आयोजन समाजसेवी जहूर कुरैशी एवं जुगनू अली द्वारा किया गया, जिसमें देशभर से आए कई नामी और अनुभवी पहलवानों ने अपने दांव-पेंच का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में हजारों दर्शकों की मौजूदगी ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। दंगल का मुख्य आकर्षण यूट्यूब पर कुश्ती किंग के नाम से प्रसिद्ध अयोध्या के बाबा लाड़ी पहलवान रहे, जिनकी लोकप्रियता और दमदार कुश्ती शैली ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। बाबा लाड़ी पहलवान के अखाड़े में उतरते ही दर्शकों ने तालियों और नारों से उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सिंचाई जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब के क्षेत्रीय अध्यक्ष बशारत खान प्रभारी नर्मदापुरम, प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं एसडीओ महेंद्र उगले, खो-खो जिला उपाध्यक्ष पंडित अंकित दुबे, कृष्ण मोहन दाढ़ी, पटेल गोपसाहब पटेल, धनराज पटेल एवं कली मुला कुरैशी सहित अन्य खेल प्रेमियों ने बाबा लाड़ी पहलवान से मुलाकात कर हरदा जिले में उनके प्रथम आगमन पर पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं शुभकामनाएं दीं। आयोजन समिति ने बताया कि इस प्रकार के राष्ट्रीय स्तर के दंगल ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूरे आयोजन में खेल भावना, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला।

13फीसदी होल्ड पदों पर तत्काल नियुक्ति दे सरकार : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी ने आज भोपाल स्थित आंबेडकर पार्क पहुंचकर ओबीसी वर्ग के 13 प्रतिशत होल्ड पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों से मुलाकात की तथा उनके आंदोलन को समर्थन दिया। इस दौरान प्रदेशभर से आए ओबीसी अभ्यर्थियों ने सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, एमपीपीएससी सहित विभिन्न भर्तियों में होल्ड किए गए पदों पर तत्काल नियुक्ति की मांग उठाई।

ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला वर्तमान में न्यायालय में लंबित है। इसी के चलते प्रदेश सरकार द्वारा कई प्रतियोगी परीक्षाओं एवं भर्तियों में ओबीसी वर्ग के 13 प्रतिशत पदों को होल्ड रखा गया है। शिक्षक भर्ती पात्रता परीक्षा 2018, 2020 एवं 2023, पुलिस भर्ती, एमपीपीएससी तथा अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में हजारों अभ्यर्थियों के परिणाम और नियुक्तियां प्रभावित हुई हैं। इन्हीं मांगों को लेकर ÷13 प्रतिशत होल्ड अभ्यर्थी संघ÷ द्वारा आज प्रदेशव्यापी आंदोलन आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए। धरनास्थल पर उपस्थित अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि 45 डिग्री की भीषण गर्मी में ओबीसी वर्ग के युवा अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए सरकार के सामने गुहार लगाने को मजबूर हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था, लेकिन भाजपा सरकार ने जानबूझकर इस आरक्षण को लागू नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अदालत में प्रभावी पैरवी नहीं की गई, बार-बार वकीलों के पैनल बदले गए, कई बार सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष के वकील उपस्थित तक नहीं हुए और ऑनलाइन पेशियों के माध्यम से मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। यह पूरी स्थिति भाजपा सरकार की ओबीसी विरोधी मानसिकता को दर्शाती है।

श्री पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के हालिया बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिस कानून का प्रारूप अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया, जिसे मध्यप्रदेश विधानसभा ने पारित किया, जिस पर राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और जिसके आधार पर कई अभ्यर्थियों को नियुक्तियां भी मिलीं, उसे ÷पर्ची पर बना कानून÷ बताना संविधान, विधानसभा और ओबीसी समाज का अपमान है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को स्वयं नहीं पता कि उसे किस दिशा में काम करना है। सरकार की एकमात्र नीति और सोच ओबीसी वर्ग के आरक्षण को रोकने की बन चुकी है। यह सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और जानबूझकर हजारों योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्तियों से वंचित रखा जा रहा है।

श्री पटवारी ने मांग की कि ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाए तथा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में होल्ड रखे गए 13 प्रतिशत पदों के परिणाम जारी कर योग्य अभ्यर्थियों को शीघ्र नियुक्ति दी जाए।

उन्होंने आंदोलनरत युवाओं को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी उनके संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर सदन और न्यायालय तक पूरी मजबूती के साथ लड़ती रहेगी

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सजग हुआ प्रशासन

विद्यार्थियों के प्रति स्नेह और सेवाभाव से उन्हें मानसिक उलझन से बचना संभवः डॉ सरोज गुप्ता

सागर। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति उच्च शिक्षा विभाग की गंभीरता को देखते हुए जिला स्तरीय निगरानी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय (अग्रणी) महाविद्यालय में आयोजित की गई। विगत 29 अप्रैल को डिप्टी कलेक्टर रजत सोनी की अध्यक्षता में लिए गए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित इस बैठक में जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों और मानसिक स्वास्थ्य क्लब प्रभारियों ने सहभागिता की। बैठक की अध्यक्षता समिति की सचिव एवं अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता ने की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. सरोज गुप्ता ने गुरु को समाज में ज्ञान और आनंद का प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए कहा कि यदि शिक्षक विद्यार्थियों के प्रति स्नेह और सेवाभाव रखें, तो उनकी किसी भी मानसिक उलझन को आसानी से सुलझाया जा सकता है। उन्होंने जिले में चल रहे जागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए समस्त स्टाफ को पारस्परिक सहयोग के निर्देश दिए। इसी क्रम में रणनीति पर चर्चा करते हुए मकरोनिया प्राचार्य डॉ. ए.सी. जैन ने विद्यार्थियों को प्रवेश स्तर से ही इन गतिविधियों में शामिल करने का सुझाव दिया, तो वहीं रहली महाविद्यालय के प्राचार्य ने हेल्पलाइन नंबरों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल दिया। विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक संतुलन हेतु डॉ. संजय खरे ने नियमित योग व मेडिटेशन शिविरों की आवश्यकता बताई।

विमर्श को आगे ब?ाते हुए शाहपुर की डॉ. किशोरी सोनी ने एक गंभीर पक्ष रखते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मानसिक समस्याओं को अक्सर भ्रांतियों से जो?कर देखा जाता है, अतः अभिभावकों का उन्मुखीकरण करना अनिवार्य है। ग?ाकोटा प्राचार्य डॉ. घनश्याम भारती ने किशोरवय की भावनात्मक समस्याओं के लिए उचित मार्गदर्शन को जरूरी बताया, जबकि शाहग? प्राचार्य डॉ. रणवीर सिंह ने खेलों के माध्यम से तनाव मुक्ति का मार्ग सुझाया। बीना पीजी कॉलेज के मो. रफीक शेख ने छात्र, शिक्षक और अभिभावकों की नियमित बैठकों का प्रस्ताव रखा ताकि संवाद का चक्र निरंतर बना रहे।

इस महत्वपूर्ण बैठक में अग्रणी महाविद्यालय की प्रशासनिक अधिकारी डॉ. इमराना सिद्दीकी सहित डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. अखिलेश सिंह (नरयावली), डॉ. विनोद कुमार सानोडिया (खुरई), डॉ. शैलेंद्र सकवार (बंडा), डॉ. अक्षय जैन, हरिशंकर सेन, शाहबाज सनी, डॉ. रेखा तिवारी, नमिता काछी, प्रियांशी राजोरिया एवं निजी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में अग्रणी महाविद्यालय की मानसिक स्वास्थ्य क्लब प्रभारी श्रीमती रेणु सोलंकी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नर्मदापुरम पहुंचेगी इंदिरा ज्योति यात्रा, रामराज्य और सम्यक विकास के संदेश के साथ निकलेगा जनजागरण अभियान

नर्मदापुरम। महात्मा गांधी की रामराज्य की अवधारणा और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही इंदिरा ज्योति यात्रा का सोमवार 11 मई को नर्मदापुरम शहर में आगमन होगा। कांग्रेस समर्थित सम्यक अभियान के अंतर्गत निकाली जा रही यह यात्रा दोपहर 3:30 बजे रामजी बाबा समाधि स्थल पहुंचेगी, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और युवाओं द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। यात्रा के स्वागत के बाद यह शहर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करेगी। इस दौरान जगह-जगह स्वागत मंच लगाए जाएंगे और नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया जाएगा। इसके पश्चात यात्रा मां नर्मदा घाट पहुंचेगी, जहां मां नर्मदा की पूजा-अर्चना एवं आरती की जाएगी। सम्यक अभियान के माध्यम से संचालित यह यात्रा महात्मा गांधी द्वारा 6 जनवरी 1921 को छिंदवाड़ा से प्रारंभ किए गए असहयोग आंदोलन की ऐतिहासिक प्रेरणा को आगे बढ़ाने का प्रयास मानी जा रही है। गुरुदेव भास्कर राव रोकड़े के नेतृत्व में निकाली जा रही यह यात्रा मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विभिन्न जिलों में पहुंचकर सामाजिक समरसता, समानता आधारित शासन व्यवस्था, भय और भ्रष्टाचार मुक्त समाज तथा सम्यक विकास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। अभियान के अंतर्गत युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक अवसरों से जोड़ने, सामाजिक न्याय को मजबूत करने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से नौ प्रमुख संकल्पों पर विशेष रूप से जनजागरण किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भय, भ्रष्टाचार और भेदभाव से मुक्त व्यवस्था ही वास्तविक रामराज्य की पहचान है और इसी विचार को लेकर यह यात्रा प्रदेशभर में संवाद स्थापित कर रही है। यात्रा के नर्मदापुरम आगमन के अवसर पर शाम 5 बजे तिलक भवन में एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी।

संपादकीय

दिल्ली हादसे से फिर नहीं लिया सबक? एक ही जगह दो बार गई बच्चों की जान

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि ऐसे हर इंतजाम किए जाएं, ताकि दोबारा उस तरह की त्रासदी न हो। मगर ऐसा लगता है कि हर जगह लापरवाही एक ऐसी सामान्य आदत के रूप में घुल गई है, जिसके कई बार बेहद दुखद नतीजे सामने आते हैं। राजधानी दिल्ली के द्वारका इलाके में एक गोल्फ कोर्स क्लब परिसर में बने जलाशय में बीते हफ्ते जिस तरह तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई, वह एक बार फिर यही दर्शाता है कि लापरवाही और अनदेखी का आलम किस हद तक पसरा हुआ है। शुरुआती छानबीन के मुताबिक, आठ से दस साल के तीन बच्चे कम ऊंचाई वाली दीवार को पार कर गोल्फ कोर्स परिसर में चले गए और संभवत- वहां के कृत्रिम जलाशय में नहाने लगे, जहां डूबने से उनकी जान चली गई। हैरानी की बात यह है कि सुरक्षा कारणों से परिसर की घेराबंदी के लिए खड़ी की गई दीवार की ऊंचाई बस इतनी है कि कोई आठ-दस वर्ष का बच्चा भी उसे पार कर लेता है। संभव है कि वहां कुछ सुरक्षा गार्डों की भी तैनाती होगी, लेकिन दीवार फांद कर बच्चों को परिसर में प्रवेश करने से रोकने वाला कोई नहीं था। डूबने लायक पानी से भरा जलाशय बना हुआ है, लेकिन अगर कोई उसमें गिर जाए, तो उसके बचाव का वहां कोई इंतजाम नहीं है। सवाल है कि इस कदर बहुस्तरीय लापरवाही की वजह से अगर बच्चों की जान चली गई, तो इसकी जवाबदेही किस पर होगी। इस मामले में एक त्रासद पक्ष यह भी है कि जुलाई, 2023 में भी वहां ठीक इसी तरह तीन लड़कों की मौत हो गई थी। उस घटना के बावजूद कोई सबक नहीं लिया गया। नतीजतन, एक बार फिर तीन बच्चों की जान चली गई। यह पूछे जाने की जरूरत है कि इस स्तर की व्यापक लापरवाही का कारण क्या है और क्या परिसर का प्रबंधन इसके लिए जिम्मेदार नहीं है! जलाशयों या जलजमाव की खुली जगहों पर ऐसे हादसों की खबरें अक्सर आती रहती हैं और अमूमन सबमें स्थानीय शासन-तंत्र या फिर संबंधित परिसर के प्रबंधन की लापरवाही ही मुख्य कारण लगती है। मगर न तो ऐसी घटनाओं से सबक लिया जाता है और न ही इसके लिए वास्तविक जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई होती है।

भारत और मोदी के बारे में Washington Post की धारणा बदली, PM को मानव इतिहास में सबसे अधिक जनसमर्थन वाला नेता बताया

-नीरज कुमार दुबे

अमेरिका का प्रमुख समाचार-पत्र वाशिंगटन पोस्ट वैसे तो अक्सर भारत विरोधी लेख ही प्रकाशित करता है लेकिन अब उसने एक दुर्लभ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भारत के बारे में सकारात्मक लेख प्रकाशित किया है। इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण ने भारत की राजनीति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की लगातार बढ़ती ताकत को लेकर दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींचा है। लंबे समय से पश्चिमी उदारवादी विचारधारा से जुड़े विश्लेषकों और भारत के विपक्षी दलों का मानना रहा कि भारत जैसी अत्यंत विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी मजबूत नेतृत्व वाली राजनीति की सीमाएं होंगी और अंतत: ऐसी राजनीति का प्रभाव कमजोर पड़ जाएगा। लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों ने इस धारणा को गहरी चुनौती दी है।

विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सफलता को इस विश्लेषण में ऐतिहासिक मोड़ के रूप में देखा गया है। पश्चिम बंगाल लंबे समय से क्षेत्रीय पहचान, सांस्कृतिक विशिष्टता और मजबूत स्थानीय राजनीतिक परंपराओं वाला राज्य माना जाता रहा है। यहां की राजनीति पर लंबे समय तक क्षेत्रीय दलों का प्रभाव रहा और माना जाता था कि उत्तर भारत केंद्रित तथा हिंदी भाषी छवि वाली भारतीय जनता पार्टी के लिए यहां गहरी पैठ बनाना आसान नहीं होगा। लेकिन हालिया चुनावी परिणामों ने इस सोच को बदल दिया।

विश्लेषण में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल की नेता ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी के विस्तार के सामने मजबूत दीवार माना जाता था। यह धारणा भी मजबूत थी कि भारत की भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता किसी एक राजनीतिक दल को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वस्वीकार्य बनने से रोकेगी। किंतु पश्चिम बंगाल में मिली सफलता ने यह संकेत दिया कि भारतीय जनता पार्टी अब उन क्षेत्रीय और सांस्कृतिक बाधाओं को भी पार कर रही है जिन्हें कभी उसके विस्तार की सीमा माना जाता था।

लेख में भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार को भी असाधारण बताया गया है। पार्टी की सदस्य संख्या को दुनिया में किसी भी राजनीतिक दल से अधिक बताया गया है। विश्लेषण के अनुसार पार्टी के लगभग चौदह करोड़ सदस्य हैं, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से भी अधिक हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मानव इतिहास में सबसे अधिक जनसमर्थन पाने वाले नेताओं में गिना गया है। विभिन्न वैश्विक सर्वेक्षणों में भी उनकी लोकप्रियता लंबे समय से शीर्ष पर बनी हुई है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहचान अब केवल भारत के लोकप्रिय नेता तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह वैश्विक राजनीति में भी एक प्रभावशाली और निर्णायक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे हैं। दुनिया के अनेक देशों में भारत की बढ़ती साख के पीछे मोदी की सक्रिय कूटनीति, मजबूत निर्णय क्षमता और वैश्विक मंचों पर भारत की स्पष्ट उपस्थिति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खास बात यह है कि ऐसे समय में जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश माने जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई बड़े वैश्विक नेताओं की लोकप्रियता में गिरावट दर्ज की जा रही है, वहीं प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता लगातार मजबूत होती दिखाई दे रही है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों और जनमत अध्ययनों में मोदी लंबे समय से दुनिया के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेताओं में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत का नेतृत्व अब केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन और अंतरराष्ट्रीय विमर्श में भी उसकी निर्णायक भूमिका लगातार मजबूत हो रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित लेख में आलोचनाओं का भी विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद विश्लेषण का निष्कर्ष यह है कि केवल चुनावी प्रबंधन या संस्थागत प्रभाव के आधार पर भारतीय जनता पार्टी की सफलता को नहीं समझा जा सकता। पार्टी ने कुछ दशकों के भीतर सीमित प्रभाव वाले संगठन से देश के 21 राज्यों में सत्ता तक का सफर तय किया है। इसके विपरीत स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस पार्टी अब कुछ गिने चुने राज्यों तक सीमित होती दिखाई दे रही है।

भाजपा को परखने के औजार बदलने होंगे

-राकेश सैन

भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने-अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रों पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अयप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडू में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मदिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी।

भाजपा केंद्र और बहुत से राज्यों में वर्षों से शासन में है। अंधविरोध के चरम पर जा कर भी शासन व संवैधानिक व्यवस्था के किसी मान्य मापदण्ड पर विपक्ष अभी तक ऐसा कोई मुद्दा तराश नहीं पाया है जो जनता को भी मान्य हो। यहां तक कि प्रधानमंत्री कई बार चुटकी ले चुके हैं कि सार्वजनिक जीवन में विपक्ष उनकी कोई तथ्यात्मक आलोचना करने में असफल रहा है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता तक पहुंचते ही वैश्विक वैचारिक गलियारों में भी बेचैनी पैदा हो गई है। विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक अधिकार और चुनावी निष्पक्षता पर अचानक सवाल उठाने शुरू कर दिए। बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, द गार्जियन और अल जजीरा जैसे मंचों पर फिर से यह विमर्श तेजी से गढ़ा जाने लगा कि भारत हिन्दू राष्ट्रवाद की ऐसी दिशा में बढ़ रहा है, जहां लोकतंत्र व बहुलता खतरे में है। विदेशी मीडिया में ज्यादा चर्चा बंगाल की है। सवाल यही है कि क्या चिंता वास्तव में लोकतंत्र की है या उस सियासी बदलाव की, जिसने दशकों पुराने वामपंथ और छद्मधर्मनिरपेक्षता के वैचारिक गढ़ को ध्वस्त कर दिया? जब भाजपा हारती है, तो विदेशी मीडिया भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की तारीफ करता है, पर जैसे ही वह निर्णायक जनादेश लेकर आती है, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया संदेह और संस्थागत संकट की भाषा में बदल जाती है। श्रेष्ठभावना से ग्रसित पश्चिमी जगत कहीं यह तो नहीं मानता कि भारतीय मतदाताओं में राजनीतिक समझ का अभाव है ?

राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अर्धसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया। विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी-विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली। यह अकेला आँकड़ा ही उस प्रोपेगेंडा की हवा निकाल देता है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि वोटर लिस्ट में सुधार से सिर्फ टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को फायदा पहुँचा।

अगर बड़े पैमाने पर देखें, तो जिन 187 सीटों पर 5,000 से ज्यादा वोटर्स के नाम काटे गए थे, वहां भाजपा ने 119 और टीएमसी ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 187 सीटों में से 47 सीटें ऐसी थीं, जहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी। भाजपा ने जो 119 सीटें जीतीं, उनमें से 28 सीटों पर जीत का अंतर कटे हुए वोटों से कम था। इन आँकड़ों से साफ है कि कई सीटों पर कांटे की टक्कर थी और वहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के मार्जिन से ज्यादा रही। लेकिन हार का पूरा ठीकरा सिर्फ वोटर लिस्ट सुधार की प्रक्रिया पर फोड़ देना और इसे ही हार की एकमात्र वजह बताना पूरी तरह से भ्रामक और गलत है।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

> किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के रूप में देख रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में बंगाली अस्मिता और हिंदू पहचान के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी।

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में बंगाली अस्मिता और हिंदू पहचान के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। वंदे मातरम् का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुन: जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ। पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि सांस्कृतिक सुरक्षा स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान जय श्रीराम जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए। इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल हिंदी बनाम बंगाली के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुत: भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया।

आज की तेज-तर्रार लाइफस्टाइल और बदलती खान-पान की आदतों के कारण पेट की गैस और सूजन आम समस्याओं में शामिल हो गई हैं। खाना जल्दी-जल्दी खाने, तैलीय और भारी भोजन करने या पाचन तंत्र कमजोर होने से पेट में गैस बनती है और पेट फूलने लगता है। कई बार यह परेशानी इतनी बढ़ जाती है कि सांस लेने में तकलीफ, पेट दर्द और बेचैनी होने लगती है। हालांकि, मेडिकल साइंस ने कई उपाय बताए हैं, लेकिन घरेलू और आसान उपाय, जैसे हींग-सोडा पानी, तुरंत राहत दिलाने में बेहद प्रभावी साबित होते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि दवाओं की बजाय ऐसे प्राकृतिक उपाय अपनाना सुरक्षित और कारगर है।

पेट फूलना और गैस की समस्या? हींग-सोडा से पाएं मिनटों में राहत

पेट फूलने और गैस बनने के मुख्य कारण

भारी या तैलीय भोजन: खाने को पचाने में शरीर को अधिक समय लगता है।

पाचन में दिक्कत: भोजन ठीक से न पचने के कारण गैस बनती है।

खान-पान की आदतें: जल्दी-जल्दी खाना या पानी न पीना।

तनाव और नींद की कमी: मानसिक तनाव और अनियमित नींद भी पाचन को प्रभावित करती हैं।

इन कारणों से पेट में गैस बनती है और कभी-कभी यह सांस लेने में तकलीफ और तेज दर्द का कारण भी बन जाती है।

हींग-सोडा पानी: आसान और असरदार उपाय

गैस और पेट फूलने की समस्या से राहत पाने के लिए हींग-सोडा पानी सबसे आसान और सुरक्षित उपाय है।

इसे बनाने और पीने का तरीका बहुत सरल है

आधा गिलास हल्का गर्म पानी लें।

इसमें डालें: आधा चम्मच बेकिंग सोडा

चुटकी भर हींग और थोड़ी पिसी अजवाइन

(इच्छानुसार) आधा नींबू

सारी चीजें अच्छी तरह मिलाएं और तुरंत पी लें।

विशेषज्ञों के अनुसार, इसे पीने के कुछ ही मिनटों में पेट फूलने और गैस की समस्या में राहत मिलती है।

हींग के फायदे

हींग में एंटीफ्लैटुलेंट और रोगाणुरोधी गुण पाए जाते हैं।

ये पेट में फंसी गैस को बाहर निकालने और पाचन क्रिया को उत्तेजित करने में मदद करते हैं।

पेट की सूजन कम होती है।

पाचन प्रणाली मजबूत होती है।

गैस और पेट की अन्य समस्याओं में राहत मिलती है।

बेकिंग सोडा के फायदे

बेकिंग सोडा भी पेट में गुड़गुड़, एसिडिटी और गैस की समस्या में तुरंत आराम देता है।

पेट की सफाई करता है।

पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

तेजी से राहत दिलाता है।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

हालांकि हींग-सोडा और अन्य घरेलू उपाय पेट की गैस और सूजन में तुरंत राहत दिला सकते हैं, फिर भी कुछ परिस्थितियों में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। अगर आपको लगातार पेट में दर्द या सूजन हो रही हो, बार-बार उल्टी या दस्त हो रहे हों, या ब्लड प्रेशर और हार्ट से जुड़ी कोई समस्या हो, तो अपने चिकित्सक से सलाह लें। ऐसे मामलों में घरेलू उपाय पर्याप्त नहीं होते और सही इलाज जरूरी होता है।

इन चीजों से करें परहेज

खाने में नियमित रूप से हींग का इस्तेमाल करें।

तैलीय और भारी भोजन से बचें।

पर्याप्त पानी पीएं और धीरे-धीरे भोजन करें।

इन सरल उपायों को अपनाकर आप पेट की गैस, सूजन और पाचन संबंधी परेशानियों से आसानी से निजात पा सकते हैं।

लू से बचाएगा यह जबरदस्त ड्रिंक, नोट करें नारियल अनानास कुलुकी की रेसिपी

गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने और ताजगी पाने के लिए मशहूर फ़ूड क्रिएटर मेघना की 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' रेसिपी ट्राई करें। नारियल पानी, पाइनएप्पल और हरी मिर्च के मीठे-तीखे स्वाद वाला यह समर ड्रिंक एनर्जी देता है और इसे घर पर बनाना बेहद आसान है।

काफी लुका-छुपी खेलने के बाद आखिरकार गर्मियों ने दस्तक दे ही दी है। जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, हमें अपनी सेहत के प्रति थोड़ा गंभीर हो जाना चाहिए। अक्सर हम धूप और उमस को हल्के में ले लेते हैं, लेकिन यही लापरवाही डिहाइड्रेशन, दस्त या हीट स्ट्रोक जैसी बड़ी समस्याओं की वजह बन जाती है। इससे पहले कि गर्मी आपकी सेहत बिगाड़े, अपनी डाइट में इस तागी भरे ड्रिंक को शामिल करें। यह न केवल शरीर को ठंडा रखेगा, बल्कि आपको अंदर से एनर्जी भी देगा।

मशहूर फूड क्रिएटर मेघना ने हाल ही में 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' की एक जबरदस्त रेसिपी शेयर की है। उनके अनुसार, यह ड्रिंक मीठे और तीखे स्वाद का एक अनोखा संगम है। नारियल पानी की ठंडक और पाइनएप्पल की मिठास के साथ जब हरी मिर्च का हल्का सा तीखापन और सब्जा सीड्स का टेक्सचर मिलता है, तो यह साधारण ड्रिंक को भी खास बना देता है।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी को तैयार करने के लिए सामग्री

ताजा पाइनएप्पल का गूदा (छना हुआ), ताजा नारियल पानी, भीगे हुए सब्जा (तुलसी के बीज), मिठास के लिए शहद या चीनी, थोड़ा काला नमक, नींबू का रस, ताजी हरी मिर्च (बीच से कटी हुई), पुदीने के पत्ते और ढेर सारे बर्फ के टुकड़े।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी बनाने की विधि

सबसे पहले ताजे पाइनएप्पल के टुकड़ों को पीसकर बारीक गूदा बना लें और उसे अच्छी तरह छान लें। सब्जा सीड्स को पानी में तब तक भिगोकर रखें जब तक वे पूरी तरह फूल न जाएं। एक शेकर में पाइनएप्पल का गूदा, नारियल पानी, शहद, काला नमक, नींबू का रस, कटी हुई हरी मिर्च, पुदीने के पत्ते, थोड़े से भीगे हुए सब्जा सीड्स और बर्फ डालें। शेकर का ढक्कन कसकर बंद करें और सभी चीजों का स्वाद आपस में अच्छी तरह मिलाने के लिए उसे जोर से हिलाएं। एक गिलास में थोड़े और सब्जा सीड्स डालें, उसके ऊपर तैयार मिश्रण डालें, और पाइनएप्पल व कटी हुई हरी मिर्च से सजाकर परोसें।

धूप से झुलसी त्वचा? घर पर बनाएं ये प्राकृतिक फेस टोनर

अधिकतर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रयास करती हैं। इसके लिए महिलाएं कई तरह के महंगे प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती हैं। वहीं अगर आप भी स्किन रिलेटेड समस्या के कारण परेशान रहती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। अधिकतर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रयास करती हैं। इसके लिए महिलाएं कई तरह के महंगे प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती हैं। वहीं अगर आप भी स्किन रिलेडेट समस्या के कारण परेशान रहती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास टोनर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको आप आसानी से घर बैठे बनाकर तैयार कर सकती हैं। तो आइए जानते हैं इस खास टोनर के बारे में...

खास होममेड टोनर

ज्यादातर महिलाएं अपने फेस पर होने वाली समस्या से काफी परेशान रहती हैं। ऐसे में अगर आप भी गर्मियों के मौसम में त्वचा संबंधी समस्या का सामना करती हैं। साथ ही इस समस्या से राहत पाने के लिए घरेलु उपाय तलाश रही हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आप कुछ खास चीजों का इस्तेमाल करके एक खास टोनर बना सकती हैं। हालांकि इसको बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत होगी।

सामग्री

तुलसी के पत्ते

गुलाब जल

ग्लिसरीन

ऐसे बनाएं टोनर

सबसे पहले एक बर्तन में थोड़ा सा पानी लें।

फिर इसमें तुलसी के कुछ पत्ते डालकर पानी को उबाल लें।

अब जब पानी थोड़ा रह जाए, तो इसको ठंडा कर लें।

अब इसमें बराबर मात्रा में गुलाबजल और ग्लिसरीन मिला दें।

सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर स्प्रे बोतल में भरकर रख लें।

अब स्प्रे बोतल की मदद से टोनर को फेस पर लगाएं।

रात भर टोनर को फेस पर लगा रहने दें और अगले दिन सुबह फेस वॉश कर लें।

इससे आपको काफी फर्क देखने को मिलेगा।

इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें।

गर्मी में क्रीमी और टेस्टी कुल्फी बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

कुछ लोग दूध पकाते समय शुरुआत में ही दूध और फ्लेवर इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा जब दूध गाढ़ा हो जाए, तभी चीनी डालो। अगर आप शुरुआत में चीनी डालोगे तो दूध जल्दी गाढ़ा नहीं होगा। आप इसी समय इलायची, केसर, या गुलाब जल डाल सकते हो।

गर्मी का मौसम आते ही हम सभी कुछ ना कुछ ठंडा खाना चाहते हैं और इसलिए सबसे पहले याद आती है कुल्फी की। ठंडी-ठंडी और मीठी-मीठी कुल्फी खाकर बेहद मजा आ जाता है। अमूमन हम सभी बाजार से कुल्फी लाकर खाते हैं, लेकिन अगर आप चाहो तो इसे घर पर भी बेहद आसानी से बना सकते हैं। हो सकता है कि आपने भी घर पर कुल्फी बनाई हो, लेकिन घर पर कुल्फी बनाने का एक नुकसान यह है कि वह बाजार जैसी क्रीमी और टेस्टी नहीं बनती है। कभी उसमें बर्फ जम जाती है, तो कभी वो बहुत सख्त हो जाती है।

अगर आपने भी अक्सर इस समस्या का सामना किया है और आपको लगता है कि आप परफेक्ट कुल्फी नहीं बना सकते तो आप गलत है। दरअसल, कुछ ऐसे आसान व छोटे-छोटे हैक्स हैं, जो आपकी कुल्फी को टेस्टी व क्रीमी बनाने में मदद करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ हैक्स के बारे में बता रहे हैं-

दूध को करें गाढ़ा

अगर आप घर पर कुल्फी बना रहे हैं तो ऐसे में दूध को अच्छी तरह गाढ़ा करें और कुल्फी बनाने के लिए फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करें। आप दूध को धीमी आंच पर 30-40 मिनट तक उबालो। साथ ही, दूध को बीच-बीच में चलाते रहो, वरना वह नीचे लग जाएगा।

चीनी और फ्लेवर सही तरह से करें इस्तेमाल

कुछ लोग दूध पकाते समय शुरुआत में ही दूध और फ्लेवर इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा जब दूध गाढ़ा हो जाए, तभी चीनी डालो। अगर

आप शुरुआत में चीनी डालोगे तो दूध जल्दी गाढ़ा नहीं होगा। आप इसी समय इलायची, केसर, या गुलाब जल डाल सकते हो।

ड्राई फ्रूट्स को ना भूलें

कुल्फी बनाते समय ड्राई फ्रूट्स डालना ना भूलें। आप काजू, बादाम, पिस्ता बारीक कट करके डालो। साथ ही, अगर आप थोड़ा सा पेस्ट बनाकर डालोगे तो और इससे क्रीमी टेक्सचर मिलेगा।

मिल्क पाउडर का करें इस्तेमाल

अगर आपको क्रीमी कुल्फी खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में कुल्फी तैयार करते समय मिल्क पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा विचार है। मिल्क पाउडर का इस्तेमाल करने से कुल्फी स्मूथ बनती है और इससे आइस क्रिस्टल्स नहीं बनते हैं।

लू से बचाएगा यह जबरदस्त ड्रिंक, नोट करें नारियल अनानास कुलुकी की रेसिपी

गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने और ताजगी पाने के लिए मशहूर फ़ूड क्रिएटर मेघना की 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' रेसिपी ट्राई करें। नारियल पानी, पाइनएप्पल और हरी मिर्च के मीठे-तीखे स्वाद वाला यह समर ड्रिंक एनर्जी देता है और इसे घर पर बनाना बेहद आसान है।

काफी लुका-छुपी खेलने के बाद आखिरकार गर्मियों ने दस्तक दे ही दी है। जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, हमें अपनी सेहत के प्रति थोड़ा गंभीर हो जाना चाहिए। अक्सर हम धूप और उमस को हल्के में ले लेते हैं, लेकिन यही लापरवाही डिहाइड्रेशन, दस्त या हीट स्ट्रोक जैसी बड़ी समस्याओं की वजह बन जाती है। इससे पहले कि गर्मी आपकी सेहत बिगाड़े, अपनी डाइट में इस तागी भरे ड्रिंक को शामिल करें। यह न केवल शरीर को ठंडा रखेगा, बल्कि आपको अंदर से एनर्जी भी देगा।

मशहूर फूड क्रिएटर मेघना ने हाल ही में 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' की एक जबरदस्त रेसिपी शेयर की है। उनके अनुसार, यह ड्रिंक मीठे और तीखे स्वाद का एक अनोखा संगम है। नारियल पानी की ठंडक और पाइनएप्पल की मिठास के साथ जब हरी मिर्च का हल्का सा तीखापन और सब्जा सीड्स का टेक्सचर मिलता है, तो यह साधारण ड्रिंक को भी खास बना देता है।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी को तैयार करने के लिए सामग्री

ताजा पाइनएप्पल का गूदा (छना हुआ), ताजा नारियल पानी, भीगे हुए सब्जा (तुलसी के बीज), मिठास के लिए शहद या चीनी, थोड़ा काला नमक, नींबू का रस, ताजी हरी मिर्च (बीच से कटी हुई), पुदीने के पत्ते और ढेर सारे बर्फ के टुकड़े।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी बनाने की विधि

सबसे पहले ताजे पाइनएप्पल के टुकड़ों को पीसकर बारीक गूदा बना लें और उसे अच्छी तरह छान लें। सब्जा सीड्स को पानी में तब तक भिगोकर रखें जब तक वे पूरी तरह फूल न जाएं। एक शेकर में पाइनएप्पल का गूदा, नारियल पानी, शहद, काला नमक, नींबू का रस, कटी हुई हरी मिर्च, पुदीने के पत्ते, थोड़े से भीगे हुए सब्जा सीड्स और बर्फ डालें। शेकर का ढक्कन कसकर बंद करें और सभी चीजों का स्वाद आपस में अच्छी तरह मिलाने के लिए उसे जोर से हिलाएं। एक गिलास में थोड़े और सब्जा सीड्स डालें, उसके ऊपर तैयार मिश्रण डालें, और पाइनएप्पल व कटी हुई हरी मिर्च से सजाकर परोसें।

वर्षाकाल की तैयारियों को लेकर ब्लॉक स्तरीय आपदा प्रबंधन बैठक आयोजित

उपखंड अधिकारी विकास आनंद ने अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सीधी। आगामी वर्षाकाल एवं संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से चुरहट में ब्लॉक स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पूर्व तैयारियों एवं राहत व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में उपखंड अधिकारी ने दोनों नगरपालिकाओं के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु के पूर्व जहां भी नालियों का निर्माण कार्य प्रचलित है, उन्हें 15 जून से पहले पूर्ण कराया जाए तथा सभी नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

बैठक में बाणसागर एवं गुलाबसागर डैम के गेट एक साथ खोले जाने की स्थिति में प्रभावित होने वाले ग्रामों की सूची तैयार किए जाने की जानकारी दी गई। जल संसाधन विभाग के एसडीओ एवं कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए गए कि डैम के गेट खोले जाने की सूचना अनिवार्य रूप से समय रहते एसडीएम एवं तहसीलदार को उपलब्ध कराई जाए, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में समय पर सतर्कता बरती जा सके। उपखंड अधिकारी ने नगर पालिकाओं एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे जर्जर एवं खतरनाक आवासीय भवन, जो मानव जीवन के लिए सुरक्षित नहीं हैं, उन्हें चिन्हित कर डिस्मेंटल करने की कार्रवाई की जाए। साथ ही जर्जर भवनों में किसी भी स्थिति में स्कूली कक्षाओं का संचालन न किए जाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपदा की स्थिति से निपटने के लिए अपनी शासकीय वाहनों में रस्सी, टॉर्च, जैकेट एवं फर्स्ट एड किट अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त ऐसे रपटों एवं नालों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए, जहां अचानक पानी आने से आवागमन प्रभावित होता है। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इन स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने एवं वर्षा के दौरान आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि वर्षाकाल में फैलने वाली बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड आदि की दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता उप स्वास्थ्य केंद्रों, सीएचसी एवं पीएचसी स्तर पर सुनिश्चित की जाए। साथ ही सर्पदंश की घटनाओं से निपटने के लिए प्रत्येक सीएचसी में एंटी वेनम की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए, ताकि समय पर उपचार उपलब्ध कराकर जनहानि रोकी जा सके। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अभिलेख संधारण में लापरवाही पर दो अधिकारियों पर कार्यवाही

सहायक वर्ग-3 निलंबित, प्रभारी परियोजना अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच

सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत अभिलेखों के संधारण में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर दो अधिकारियों के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के तहत बाल विकास परियोजना मझौली कार्यालय में पदस्थ अभिलेख/स्थापना प्रभारी राजभान सिंह, सहायक वर्ग-3 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, वहीं श्रीमती ज्योति विश्वकर्मा, पर्यवेक्षक एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थापित की गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में लंबित प्रकरण क्रमांक डब्ल्यूपी-17718/2011 (श्रीमती शोभारानी द्विवेदी विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन) में पारित निर्णय दिनांक 05 मार्च 2026 के पालन में संबंधित प्रकरण की सुनवाई हेतु न्यायालय कलेक्टर जिला सीधी में 08 मई 2026 को पेशी निर्धारित थी। सुनवाई के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र कमचड़ क्रमांक-02 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद से संबंधित मूल नस्ती का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान नस्ती के कई पृष्ठों में दीमक लगी हुई पाई गई तथा कई पृष्ठ क्षत-विक्षत अवस्था में मिले। साथ ही कार्यालयीन अभिलेखों का संधारण भी अव्यवस्थित पाया गया। मामले को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जारी आदेश के अनुसार म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत राजभान सिंह को निलंबित करते हुए निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना सीधी क्रमांक-02 निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। वहीं अभिलेखों के रख-रखाव एवं कार्यालयीन कार्यों में पर्यवेक्षण संबंधी लापरवाही पाए जाने पर श्रीमती ज्योति विश्वकर्मा, पर्यवेक्षक एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी, बाल विकास परियोजना मझौली के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ की गई है।

लापरवाह बस चालक को 6 माह का कठोरकारावास

सीधी। बताया गया कि दनांक 29.06.2017 को फरियादी तथा उसकी पत्नी निहठी ग्राम पुश्परी अपने रिश्तेदारी में गये थे। वापसीमें ग्राम हटवा से के बस क्रमांक एमपी 53 पी 0485 में बैठकरअपने घर ग्राम चितवरिया जा रहे थे। जब बस चितवरिया स्टेण्ड पहुंची तो वहबस से उतर गया और उसकी पत्नी उतर रही थी तभी बस का चालक बसको तेजगति व लापरवाहीपूर्वक आगे चला दिया, जिससे उसकीपत्नी को खून आलूदा चोटें एवं घिसटने से सूजनदार व छीलनदार चोंटें आयी। घटना की रिपोर्ट पर थाना थाना अमिलिया में अपराध क्रमांक 156/2017 अंतर्गत धारा 279, 337, 338 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं विवेचना पश्चात अभियोग पत्र माननीय न्यायालय सीधी के समक्ष पेश किया गया, जिसके न्यायलयीन प्रकरण क्रमांक आरसीटी/ 200/2018 में शासन की ओर से सहायक निदेशक, अभियोजन सीधी राजकुमार रावत के कुशल निर्देशन में सशक्त पैरवी करते हुए सहायक जिला अभियोजन अधिकारी पूजा गोस्वामीके द्वारा अभियुक्त चालक को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। परिणामस्वरूप मुख्य न्याकयिक मजिस्ट्रेट, सीधी की न्यायालय के द्वारा अभियुक्ति बस चालक विजयबहादुर सिंह पिता सत्यप्रसाद सिंह, आयु-38 वर्ष, निवासीग्राम पहाड़ी, थाना अमिलिया, जिला सीधी (म.प्र.)को धारा 279, 338 भादवि के तहत दोष सिद्ध करते हुए धारा 279 भादवि में 1000/-रूपये के अर्थदण्ड से एवं धारा 338 भादवि में 6 माह के कठोर कारावास एवं 1000/-रूपये के अर्थदण्ड सेदण्डित किया गया।

प्रदेश मेरिट लिस्ट में आए विद्यार्थियों का पथरौला में संतोष सिंह बंजारी ने किया सम्मान

सीधी। दिनांक 8 मई को मड़वास रेलवे स्टेशन से लौटते समय जिले के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं व्यवसायी संतोष कुमार सिंह चौहान बंजारी का आगमन संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल, पथरौला में हुआ। विद्यालय पहुंचकर श्री सिंह ने कंप्यूटर लैब में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 10वीं की स्टेट मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त करने वाले 5 मेधावी विद्यार्थियों को 1100-1100 रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया। संतोष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि मेहनत और लगन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

कलेक्टर विकास ने लालता चौक का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्रमिकों से संवाद कर जानी समस्याएं, जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के दिए निर्देश

सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा शनिवार को शहर के लालता चौक स्थित श्रमिक एकत्रीकरण स्थल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां मौजूद श्रमिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, कार्य परिस्थितियों एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने श्रमिकों से चर्चा करते हुए पूछा कि उन्हें श्रम विभाग एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो रही है या नहीं तथा वे योजनाओं का लाभ ले पा रहे हैं या नहीं। कई श्रमिकों ने योजनाओं की जानकारी सीमित होने की बात कही, जिस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को श्रमिकों तक योजनाओं की जानकारी प्रभावी तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने श्रम अधिकारी आकांक्षा पाठक को निर्देशित किया कि श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों में नियमित रूप से विशेष शिविरों का आयोजन किया जाए, ताकि असंगठित श्रमिकों का पंजीयन कर उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को श्रमिक कार्ड, आयुष्मान योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रसूति सहायता, शिक्षा सहायता एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए, जिससे श्रमिक वर्ग जागरूक होकर अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविरों के माध्यम से श्रमिकों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि शासन श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रहा है और यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे। जिला प्रशासन श्रमिकों के हितों के संरक्षण एवं उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2026 के लिए वन विभाग का प्रशिक्षण आयोजित

रीवा संभाग को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने का लिया संकल्प

सीधी। वनमण्डल सीधी के सभागार कक्ष में आज वृत्त स्तरीय ग्रीष्मकालीन प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2026 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना आगामी 22 से 24 मई 2026 तक प्रस्तावित है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गिद्धों की पहचान, उनके प्राकृतिक रहवास तथा गणना की वैज्ञानिक पद्धतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण में भोपाल से आए गिद्ध विशेषज्ञ एवं मास्टर ट्रेनर दिलशेर खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने मध्यप्रदेश में पाए जाने वाले विभिन्न प्रजातियों के गिद्धों के संरक्षण, उनकी वर्तमान स्थिति एवं पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही गिद्ध गणना के दौरान अपनाई जाने वाली तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि प्रशिक्षण के दूसरे चरण में 10 मई 2026 को फील्ड प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वास्तविक क्षेत्र में जाकर गिद्धों की पहचान एवं गणना की प्रक्रिया का अभ्यास कराया जाएगा।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पिछली शीतकालीन गिद्ध गणना में रीवा संभाग को प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ था। इस बार रीवा संभाग को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने के उद्देश्य से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बेहतर समन्वय और गंभीरता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में वनमण्डलाधिकारी सीधी श्रीमती प्रीति अहिरवार सहित रीवा, सीधी, सतना एवं सिंगरौली जिलों के एसडीओ, रेंजर एवं वन विभाग का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों की भी सहभागिता रही, जिन्होंने वन्यजीव संरक्षण एवं गिद्धों के स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं पर अपने सुझाव साझा किए।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए जिले में लगेगा नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर

एलिम्को के सहयोग से 11 से 15 मई तक विभिन्न जनपद पंचायतों में होगा आयोजन

सीधी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सीधी द्वारा भारत सरकार की योजना अंतर्गत जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों का आयोजन भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को के सहयोग से किया जाएगा, जिसके माध्यम से चिन्हित हितग्राहियों को आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविरों का आयोजन 11 मई से 15 मई 2026 तक जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों में किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 मई को सीधी जनपद पंचायत, 12 मई को सिहावल जनपद पंचायत, 13 मई को मझौली जनपद पंचायत, 14 मई को रामपुर नैकिन जनपद पंचायत तथा 15 मई को कुसमी जनपद पंचायत में शिविर आयोजित होंगे। शिविरों में पूर्व में चिन्हांकित एवं चयनित दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, वॉकर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, छड़ी एवं कमोड चेयर जैसे सहायक उपकरण नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इन उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों के दैनिक जीवन को अधिक सुगम एवं आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सामाजिक न्याय विभाग ने बताया कि जिन हितग्राहियों का पूर्व में चयन एवं पंजीयन किया जा चुका है, वे शिविर में अपनी पंजीयन पर्ची अथवा रसीद लेकर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।

11 मई को जिला चिकित्सालय सीधी एवं 12 मई को सीएचसी सिहावल में लगेगा नन्हा सा दिल हृदय जांच शिविर

जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को मिलेगा मुफ्त इलाज एवं ऑपरेशन की सुविधा

सीधी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे के निर्देशानुसार जिले में 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए नन्हा सा दिल अभियान के अंतर्गत नि:शुल्क हृदय रोग स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, जमशेदपुर के सहयोग से आयोजित होगा, जिसमें बच्चों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर का आयोजन 11 मई 2026, सोमवार को डीईआईसी भवन, जिला चिकित्सालय सीधी में प्रात: 9 बजे से शाम 4 बजे तक तथा 12 मई 2026, मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल में प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा।

शिविर का मुख्य उद्देश्य जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें संपूर्ण उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी बच्चा उपचार से वंचित न रहे। श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा शिविर में बच्चों की इको स्क्रीनिंग की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे बच्चों को शिविर में लाने की अपील की है जिन्हें सांस फूलना, जल्दी थक जाना, होंठ या नाखून नीले पड़ना, आंखें लाल रहना, वजन न बढ़ना अथवा हृदय संबंधी अन्य लक्षण दिखाई देते हों। जिन बच्चों को पूर्व में डॉक्टर द्वारा दिल में छेद या हृदय संबंधी समस्या बताई गई हो, उन्हें भी शिविर में लाने की सलाह दी गई है। स्क्रीनिंग के दौरान गंभीर हृदय रोग से पीड़ित पाए जाने वाले बच्चों का संपूर्ण इलाज एवं ऑपरेशन श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल द्वारा पूर्णत: निरूशुल्क कराया जाएगा।

शिविर प्रभारी एवं डीईआईसी मैनेजर पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया कि शिविर में 100 बच्चों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए आरबीएसके टीम, आशा कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को चिन्हित बच्चों को शिविर तक लाने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएमएचओ डॉ. बबीता खरे ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि यदि आसपास कोई भी बच्चा हृदय रोग के लक्षणों से पीड़ित है तो उसे 11 मई को जिला अस्पताल सीधी अथवा 12 मई को सीएचसी सिहावल में लाकर पंजीयन अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार मिलने से बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है और यह सेवा पूर्णत: निरूशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए डीईआईसी सेंटर, जिला चिकित्सालय सीधी में संपर्क किया जा सकता है।

10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर बदलने के कारण 10 मई को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

सीधी। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि 33/11 केव्ही उपकेंद्र कैंपिंग हाउस सीधी में 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य किया जाएगा। इसके चलते दिनांक 10 मई 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार कार्य के दौरान शिवाजी नगर, माधुरी, जमोड़ी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, न्यू बस स्टैंड, अंधियार खोह, करौंदिया दक्षिण नाग मंदिर क्षेत्र, पोल फैक्ट्री, बर्मा कॉलोनी, एमपीईबी कॉलोनी, मुटिगवां सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी। विभाग ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि आवश्यक कार्य पूर्व में ही पूर्ण कर लें। साथ ही बताया गया कि कार्य की आवश्यकता के अनुसार विद्युत बंद रहने की अवधि में परिवर्तन किया जा सकता है।

दूरस्थ गांवों तक पहुंचीं स्वास्थ्य सेवाएं, 532 ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

कलेक्टर के निर्देशन में ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जारी विशेष स्वास्थ्य परीक्षण अभियान

सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को आयोजित किए जा रहे विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों की श्रृंखला में इस सप्ताह भी चारों विधानसभा क्षेत्रों के चयनित ग्रामों में शिविर आयोजित किए गए। स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श प्रदान किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आमजन की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है। इस क्रम में धौहनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत दुआरी, सीधी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचिटा, चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिहा तथा सिहावल विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत खुटेली में शिविर लगाए गए।

शिविरों में स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग के चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, मौसमी बीमारियों की जांच, उपचार परामर्श एवं आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी शिविरों में संपन्न कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोचिटा में सर्वाधिक 164 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं खुटेली में 139, उमरिहा में 120 तथा दुआरी में 109 ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाया। इस प्रकार कुल 532 ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविरों में ग्रामीणों को डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव, पोषण, स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा नशा मुक्ति के संबंध में भी जागरूक किया गया। साथ ही जनगणना से संबंधित शपथ कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जनभागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। जिला प्रशासन ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के किसी एक दूरस्थ ग्राम में ऐसे विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीण नागरिकों को उनके क्षेत्र में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

प्रीति जिंटा ने बॉबी देओल के साथ बिताए पलों को किया याद

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी याद साझा करते हुए अभिनेता बॉबी देओल के साथ बिताए खास पलों को याद किया। प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'सोल्जर' का एक वीडियो साझा किया। वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म का लोकप्रिय गीत 'महफिल में बार-बार' सुनाई दे रहा है, जिसे कुमार सानू और अलका याग्निक ने अपनी आवाज दी थी। प्रीति जिंटा की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस भी इसे काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो के जरिए अभिनेत्री ने उन दिनों को याद किया, जब उन्होंने बॉबी देओल के साथ इस सुपरहिट फिल्म में काम किया था। पोस्ट साझा करते हुए प्रीति जिंटा भावुक भी नजर आईं। उन्होंने बॉबी देओल को टैग करते हुए एक मजेदार किस्सा सुनाया। अभिनेत्री ने बताया कि वह बॉबी देओल और उनकी पत्नी तान्या देओल के हनीमून के दौरान भी उनके साथ थीं। प्रीति ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि वह हमेशा बॉबी की शुक्रगुजार रहेंगी, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में उनके पहले आउटडोर शूट को बेहद यादगार बना दिया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बॉबी के हनीमून पर 'थर्ड व्हील' बनना भी उनके लिए एक खास अनुभव रहा। दरअसल, बॉबी देओल ने 30 मई 1996 को तान्या आहूजा से शादी की थी। शादी के कुछ समय बाद ही वह फिल्म 'सोल्जर' की शूटिंग में व्यस्त हो गए थे।

तान्या एक बिजनेस परिवार से संबंध रखती हैं और उनका खुद का फर्नीचर व्यवसाय भी है। अब्बास-मस्तान के निर्देशन में बनी फिल्म 'सोल्जर' वर्ष 1998 में रिलीज हुई थी। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी, जिसमें सस्पेंस, रोमांस और दमदार एक्शन का शानदार मिश्रण देखने को मिला था। फिल्म में बॉबी देओल और प्रीति जिंटा की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म की कहानी एक ऐसे बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पिता की बदनामी का बदला लेने निकलता है। उस दौर में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी और साल की बड़ी हिट फिल्मों में शामिल हुई थी। 'सोल्जर' में बॉबी देओल और प्रीति जिंटा के अलावा राखी गुलजार, सुरेश ओबेरॉय और दलीप ताहिल भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

जब कमेंट्स पढ़कर हिल गई थीं कियारा आडवाणी, ट्रोल्स की बातों पर करने लगी थीं यकीन

कियारा आडवाणी सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोलिंग और अफवाहों का सामना करती रही हैं। एक बार अभिनेत्री ने खुलकर बताया था कि कैसे प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों ने उन्हें इतना परेशान कर दिया था कि उन्हें खुद ही लगने लगा था कि शायद उन्होंने सच में कुछ करवाया है। कियारा ने बताया कि एक बार वह किसी इवेंट में गई थीं और वहां की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इसके बाद लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने सारे कमेंट्स आ रहे थे कि मुझे खुद ही लगने लगा था कि शायद मैंने अपने चेहरे के साथ कुछ कराया है।' हालांकि कियारा ने यह भी कहा कि वह ज्यादातर ट्रोल्स को नजरअंदाज करने की कोशिश करती हैं, लेकिन कई बार ऐसी बातें दिल पर असर जरूर डालती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं कहती हूं कि मैं इग्नोर करती हूं, लेकिन यह खुद को बचाने का तरीका होता है। लोगों को समझना चाहिए कि हम भी इंसान हैं और हमारी भी भावनाएं होती हैं।' वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी ने बॉलीवुड में साल 2014 में फिल्म 'फुगली' से डेब्यू किया था। हालांकि उन्हें असली पहचान 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' से मिली, जिसमें उनके साथ सुशांत सिंह राजपूत और दिशा पटानी नजर आए थे। इसके अलावा कियारा कबीर सिंह, गुड न्यूज, 'शेरशाह' जैसी फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। वे आगे 'टॉक्सिक' फिल्म में नजर आएंगी, जिसमें यश भी लीड रोल में होंगे।

काजोल की अनोखी कलाकारी ने खींचा मेट गाला के बीच सबका ध्यान

दुनियाभर में इन दिनों फैशन के सबसे बड़े मंच 'मेट गाला' की चर्चा जोरों पर है। रेड कार्पेट पर अंतरराष्ट्रीय सितारे अपने खास फैशन और स्टाइल से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने भी अपनी एक अनोखी कलाकारी के जरिए सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर ली हैं। हाल ही में काजोल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास तस्वीर साझा की, जिसमें धागों से तैयार की गई एक खूबसूरत कलाकृति नजर आई। यह आर्टवर्क बेहद अलग और आकर्षक दिखाई दिया। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए कारीगरों की मेहनत और हुनर की जमकर तारीफ की। तस्वीर साझा करते हुए काजोल ने लिखा कि मेट गाला का सीजन चल रहा है, इसलिए उन्होंने भी अपनी हाथ से बनाई गई एक कलाकृति साझा की है। उन्होंने कहा कि आखिर यह सब कारीगरों की कला और मेहनत के बारे में ही तो है। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट में करीबी दोस्त और फिल्म निर्माता करण जौहर तथा मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा को भी टैग किया।

काजोल की यह पोस्ट करण जौहर और मनीष मल्होत्रा की हालिया मेट गाला उपस्थिति से जुड़ी मानी जा रही है। इस वर्ष करण जौहर ने पहली बार मेट गाला में हिस्सा लिया और अपने शानदार अंदाज से लोगों का ध्यान खींचा। इस खास अवसर पर उन्होंने मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन किया गया विशेष परिधान पहना था, जो महान चित्रकार राजा रवि वर्मा की कला से प्रेरित बताया गया। करण जौहर के इस खास लुक को 'फ्रेम्ड इन इटरनिटी' नाम दिया गया था। इसमें एक स्ट्रक्चर्ड जैकेट के साथ छह फुट लंबा हाथ से पेंट किया गया कैप शामिल था। इस पोशाक को तैयार करने में 80 से अधिक कारीगरों ने करीब 85 दिनों तक मेहनत की थी।

घुंघराले बालों से थी नफरत, अब वही बनी अनुपमा परमेश्वरन की पहचान

दक्षिण भारतीय फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन आज अपनी शानदार अभिनय क्षमता के साथ-साथ खूबसूरत घुंघराले बालों के लिए भी जानी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अपने बाल बिल्कुल पसंद नहीं थे। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की। अनुपमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अपने कर्ली हेयर को फ्लॉन्ट किया। इसके साथ उन्होंने एक भावुक और प्रेरणादायक नोट भी लिखा। अभिनेत्री ने बताया कि बचपन और शुरुआती दिनों में वह अपने घुंघराले बालों को छिपाने की कोशिश करती थीं। उन्हें लगता था कि उनके बाल दूसरों की तरह सीधे और सामान्य होने चाहिए। यही वजह थी कि वह बार-बार अपने बालों को सीधा करने और बदलने की कोशिश करती रहती थीं।

अभिनेत्री ने लिखा कि समय के साथ उन्होंने खुद को समझना और अपनाना सीखा। उन्होंने महसूस किया कि जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वही उनकी असली पहचान और खूबी है। अनुपमा के मुताबिक, अब उनके घुंघराले बाल उनकी सबसे पसंदीदा चीजों में शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है, जब लोग उनसे कहते हैं कि उन्हें देखकर उन्होंने भी अपने प्राकृतिक घुंघराले बालों को अपनाना शुरू किया। अभिनेत्री ने कहा कि खुद को जैसे हैं वैसे स्वीकार करना बेहद शक्तिशाली एहसास होता है और यही आत्मविश्वास दूसरों को भी खुद से प्यार करना सिखाता है। अनुपमा परमेश्वरन दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी नेचुरल एक्टिंग, मासूम अंदाज और गर्ल-नेक्स्ट-डोर इमेज के लिए काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने मलयालम, तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिल्म 'प्रेमम' से मिली लोकप्रियता के बाद उन्होंने 'कार्तिकेय 2' और 'टिल्लू स्क्वायर' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुपमा जल्द ही तेलुगु रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'क्रेजी कल्याणम' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन बदरप्पा गजुला कर रहे हैं। इसके अलावा वह निर्माता प्रेरणा अरोड़ा की एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म में भी दिखाई देंगी, जिसकी शूटिंग मई 2026 में शुरू होने वाली है। साल 2025 अभिनेत्री के लिए बेहद सफल रहा। उनकी तमिल फिल्म 'ड्रैगन', तेलुगु फिल्म 'किष्किंधापुरी' और तमिल फिल्म 'बाइसन' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। वहीं महिला प्रधान फिल्म 'परधा' में उनके अभिनय की विशेष सराहना हुई। इस फिल्म में उन्होंने 'सुब्बू' नाम की गांव की लड़की का किरदार निभाया था, जो समाज में पर्दा प्रथा जैसी पुरानी परंपराओं को चुनौती देती है।

वीकएंड पर चमकी कृष्णावतारम और दादी की शादी

भगवान कृष्ण पर आधारित फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1: ह्दयम' को रिलीज हुए दो दिन हो चुके हैं। पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास नहीं कर सकी। दूसरे दिन भी इसका कलेक्शन कम रहा। तीसरे दिन इसे वीकएंड का फायदा मिला। पहले दिन इसने 42 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। दूसरे दिन इसकी कमाई 1.15 करोड़ रुपये हुई। तीसरे दिन इसने 2.25 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह से इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 3.82 करोड़ रुपये हो चुका है।

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में रिलीज हुई हैं। इनमें नई फिल्में 'कृष्णावतारम पार्ट 1-हृदयम', दादी की शादी शामिल हैं। वीकएंड पर इन फिल्मों की कमाई बढ़ी है। वहीं सिनेमाघरों में पहले से चल रही फिल्में जैसे राजा शिवाजी, एक दिन और 'भूत बंगला' की कमाई में बढ़ोतरी देखी गई है। आइए जानते हैं कि इन फिल्मों ने शनिवार को कितना कारोबार किया है।

भगवान कृष्ण पर आधारित फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1ः हृदयम' को रिलीज हुए दो दिन हो चुके हैं। पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास नहीं कर सकी। दूसरे दिन भी इसका कलेक्शन कम रहा। तीसरे दिन इसे वीकएंड का फायदा मिला। पहले दिन इसने 42 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। दूसरे दिन इसकी कमाई 1.15 करोड़ रुपये हुई। तीसरे दिन इसने 2.25 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह से इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 3.82 करोड़ रुपये हो चुका है।

कॉमेडियन कपिल शर्मा की अदाकारी वाली फिल्म 'दादी की शादी' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। वीकएंड पर इसके कलेक्शन में बढ़ोतरी हुई है। पहले दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की। ओपनिंग डे पर इसका कलेक्शन 60 लाख रुपये रहा। दूसरे दिन इसकी कमाई 1.15 करोड़ रुपये हो गया। इसका कुल कलेक्शन 1.75 करोड़ रुपये हो गया है।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी की कमाई में वीकएंड पर उछाल आया है। शनिवार को इसने 5.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। शुक्रवार को इसने 3.20 करोड़ रुपये कमाए थे। इसका टोटल कलेक्शन 61.50 करोड़ रुपये हो गया है। इसमें जेनेलिया डिसूजा, सलमान खान, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त और विद्या बालन हैं।

बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, जीआरपी इटारसी ने तीन शातिर चोरों को दबोचा

» 16 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद, 13 लाख 40 हजार रुपए का मशरुका जब्त » मास्टर चाबी और रेकी के जरिए देते थे वारदात को अंजाम

इटारसी। जीआरपी को वाहन चोरी की लगातार बढ़ रही घटनाओं के बीच बड़ी सफलता हाथ लगी है। जीआरपी पुलिस ने सुनियोजित कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 16 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 13 लाख 40 हजार रुपए बताई जा रही है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल अंकित जायसवाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल श्रीमती नीतू सिंह डावर एवं उप पुलिस अधीक्षक रेल इटारसी महेंद्र सिंह कुशवाहा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जीआरपी इटारसी निरीक्षक संजय चौकसे के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी सूने स्थानों पर खड़ी मोटरसाइकिलों को निशाना बनाते थे। वारदात से पहले रेकी करते थे और सीसीटीवी कैमरों की पकड़ से बचने के लिए विशेष सावधानी रखते थे। आरोपी मास्टर चाबी का उपयोग कर गाड़ियों का लॉक खोलते थे तथा कई मामलों में हैंडल लॉक झटका देकर तोड़ देते थे। इसके बाद कुछ ही सेकंड में वाहन चोरी कर फरार हो जाते थे। मामले की शुरुआत उस समय हुई जब बैतूल निवासी रोहित चोरे ने जीआरपी थाना इटारसी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी होंडा शाइन मोटरसाइकिल रेलवे स्टेशन इटारसी के पार्सल ऑफिस के पास से चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 359/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसी दौरान रेलवे स्टेशन, बारह बंगला क्षेत्र, बस स्टैंड और बाजार क्षेत्र से लगातार मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं सामने आने लगीं। इसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध गतिविधियों और मुखबिर तंत्र के आधार पर लगातार जांच की। 10 मई 2026 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन इटारसी के माल गोदाम के पास कुछ युवक चोरी की मोटरसाइकिलें बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम कमल बागने निवासी सनखेड़ा जिला नर्मदापुरम तथा ब्रजमोहन अहिरवार निवासी शाहगंज जिला सीहोर बताए।दोनों आरोपियों के पास से चार मोटरसाइकिलें बरामद हुईं, जिनमें से एक वाहन वही होंडा शाइन निकली जिसकी चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कई अन्य मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस पोटर खोली क्षेत्र के खंडहर पड़े क्वाटरों तक पहुंची, जहां से 12 और चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। इसी दौरान पुलिस ने मौके से तीसरे आरोपी अभिषेक अहिरवार निवासी लोहारीया ग्वाड़ी जिला नर्मदापुरम को भी गिरफ्तार किया, जो चोरी की मोटरसाइकिलों की निगरानी और उन्हें बेचने में सहयोग कर रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी कमल बागने के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं अन्य दोनों आरोपियों का भी आपराधिक रिकॉर्ड मिला है। जीआरपी पुलिस द्वारा बरामद की गई मोटरसाइकिलों में होंडा शाइन, हीरो स्प्लेंडर, हीरो एचएफ डीलक्स, फैशन प्रो और बजाज पल्सर जैसी गाड़ियां शामिल हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने अन्य जिलों में भी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं। इस पूरे मामले में थाना प्रभारी संजय चौकसे के नेतृत्व में उप निरीक्षक श्रीलाल पड़रिया, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार यादव, अरविंद भदौरिया, आरक्षक सुमित यादव, अमित कौशिक, शीतल, राजेंद्र दायमा, विजय पद्मम, रामशंकर एवं महिला आरक्षक स्वाति की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

29 की हो चुकी ताजपोशी, अभी भी 50 निगम-मंडल-प्राधिकरणों को अध्यक्ष-उपाध्यक्ष नियुक्ति का इंतजार

भोपाल। विधानसभा चुनावो के ढाई साल पहले निगम मंडल, प्राधिकरणों में नियुक्ति की कवायद शुरु हुई तो 29 निगम-मंडल प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के पदों पर जनप्रतिनिधियों की नियुक्ति हो चुकी है। लेकिन अभी भी पचास निगम-मंडल, प्राधिकरणों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और सदस्यों की ताजपोशी होंना बाकी है।

बताया गया है कि एक-एक पद के लिए तीन से चार जनप्रतिनिधि कतार में है। सत्ता और संगठन के अलावा केन्द्र से भी इन पदों पर तैनाती के लिए सिफारिशें आई है इसके चलते इनके नियुक्ति आदेश जारी होने में देरी हो रही है। अब एक महीने के भीतर इनमें से अधिकांश पदों पर योग्य और क्षेत्र में जनाधार रखने वाले जनप्रतिनिधियों की तैनाती के आदेश जारी होंने की संभावना है। इनमें कई पद लंबे समय से खाली पड़े है तो कई का कार्यकाल पूरा होने वाला है।

जिन बड़े निगम-मंडल प्राधिकरणों में अभी तक अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और सदस्यों की तैनाती नहीं हुई है उनमें मध्यप्रदेश उर्जा विकास निगम,मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम,मध्यप्रदेश स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन, मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रानिक डेवलपमेंट कार्पोरेशन,मध्यप्रदेश स्टेट माइनिंग कारपोरेशन, मध्यप्रदेश उर्जा विकास निगम, मध्यप्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की तैनाती नहीं हुई है। राज्य कृषक आयोग के अध्यक्ष का पद भी लंबे समय से खाली है। मंडल और प्राधिकरणों की बात करें तो मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल,मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल में अध्यक्ष के पद 2024 से खाली पड़े है। मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड भोपाल के अध्यक्ष के पद पर तैनाती होंना बाकी है। राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग,मध्यप्रदेश माटी कला बोर्ड, मध्यप्रदेश हज कमेटी, मध्यप्रदेश राज्य अल्पसंख्यक आयोग में अध्यक्ष के पद खाली पड़े है। समाजों से जुड़े बोर्ड में मध्यप्रदेश स्वर्णकला बोर्ड, मध्यप्रदेश विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड, मध्यप्रदेश रजक कल्याण बोर्ड, मध्यप्रदेश तेलघानी बोर्ड, मध्यप्रदेश विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड मां पूरी बाई कीर कल्याण बोर्ड के अध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति की जाना बाकी है।

प्रमुख प्राधिकरण जहां अध्यक्षों की नियुक्ति होंना बाकी है उनमें इंदौर विकास प्राधिकरण,भोपाल विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष का एक और उपाध्यक्ष के दो, खजुराहो विकास प्राधिकरण,ओरछा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अध्यक्ष का एक और उपाध्यक्ष का एक, देवास विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, महेश्वर-मंडलेश्वर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण,पचमढ़ी विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, कटनी विकास प्राधिकरण सहित अन्य कुछ प्राधिकरणों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद वर्ष 2024 से खाली पड़े है।

तीस निगम-मंडल, प्राधिकरणों में हुई नियुक्ति, अधिकांश ने संभाला कार्यभार-

मध्यप्रदेश राज्य भंडारगृह निगम मे संजय नगाइच, खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम में केपी यादव, पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम में केशव सिंह बघेल, अपैक्स बैंक में महेन्द्र यादव, मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम में सत्येन्द्र भूषण सिंह, मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड में पंकज जोशी, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति में रमेश शर्मा, मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल में ओम जैन, मध्यप्रदेश युवा आयोग में प्रवीण शर्मा, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण में विनोद गोटिया, मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग में रेखा यादव, राज्य वन विकास निगम में रामनिवास रावत मध्यप्रदेश योग आयोग में डॉ राघवेन्द्र शर्मा, मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम में रवि मालवीय, मध्यप्रदेश पाठय पुस्तक निगम में सौभाग्य सिंह को अध्यक्ष बनाया गया है और अधिकांश ने कार्यभार संभाल भी लिया है।

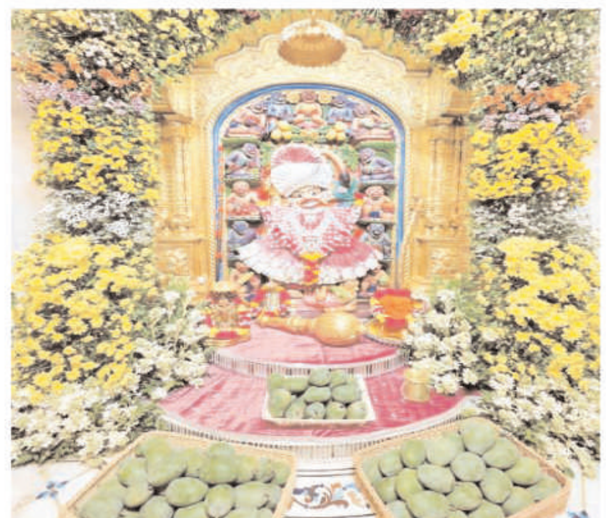

सारंगपुर हनुमान मंदिर गुजरात

विजय थलापति के शपथ ग्रहण में पहुंचीं तृषा कृष्णन, स्टाइलिश लुक ने खींचा सबका ध्यान; सोशल मीडिया पर फोटो वायरल

चेन्नई। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री थलपति विजय (जोसेफ विजय चंद्रशेखर) के शपथ ग्रहण समारोह में बॉलीवुड-तमिल अभिनेत्री तृषा कृष्णन भी शामिल हुईं। 10 मई को चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में तृषा काफी उत्साहित और खुश नजर आईं। समारोह से पहले तृषा विजय के घर पहुंचीं और कुछ देर वहां रुकने के बाद समारोह स्थल के लिए रवाना हुईं। उनके स्टेडियम पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। तृषा कृष्णन शपथ ग्रहण समारोह में बेहद एलिगेंट और स्टाइलिश लुक में नजर आईं। उनका सिंपल लेकिन आकर्षक ड्रेसअप देखते ही सबका ध्यान उनकी ओर चला गया। विजय के मुख्यमंत्री बनने की खुशी भी उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। तृषा और थलपति विजय लंबे समय से अच्छे दोस्त माने जाते हैं और दोनों कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।तृषा का विजय के शपथ ग्रहण में शामिल होना फिल्मी और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। कुछ समय पहले विजय की पत्नी द्वारा तलाक की अर्जी दाखिल किए जाने की खबरों के बाद दोनों की दोस्ती को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में दोनों को साथ देखा गया था, जिससे अफवाहों को और बल मिला। इस बार शपथ ग्रहण समारोह में तृषा की मौजूदगी ने इन चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है। थलपति विजय ने 10 मई सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई प्रमुख हस्तियां भी मौजूद रहीं। तृषा का समारोह में शामिल होना विजय के करीबी दोस्त के रूप में देखा जा रहा है।

मूविंग फ़ार्म्स आवासीय कला कार्यशाला का उद्घाटन आज, होगा आर्ट टीचर्स का समागम

आर्टडिज़ाइन टीचर्स फ़ोरम द्वारा आयोजित आवासीय कला कार्यशाला ÷मूविंग फ़ार्म्स÷ का उद्घाटन आज सोमवार, 11 मई 2026 को प्रातः 9=30 बजे अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, भोपाल में होगा। यह कार्यशाला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन मध्यप्रदेश तथा अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानव संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे होंगे। विशेष अतिथि के रूप में अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की एसोसिएट डायरेक्टर (एजुकेशन) निशा बुटोलिया उपस्थित रहेंगी। कार्यशाला की प्रमुख सूत्रधार कलाकार एवं अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की संकाय सदस्य मालविका राजनारायण होंगी। मूविंग फ़ार्म्स एक आवासीय कला कार्यशाला है, जिसमें भारत के विभिन्न जिलों से आए कला शिक्षक, कलाकार और रचनात्मक शिक्षण से जुड़े प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का उद्देश्य कला, प्रकृति, अनुभव और अभिव्यक्ति के माध्यम से सीखने और सृजन की नई संभावनाओं को विकसित करना है। इस बार भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, बैतूल के अलावा बैंगलोर, अहमदाबाद, नालंदा, नागपुर और हैदराबाद के प्रतिभागी भी शामिल हैं।

MOVING FORMS - WorkCamp
Prof. Amitabh Pandey
Ms Nisha Butoliya
Malavika Rajnarayan
Monday, 11 May 2026
9:30 AM

नर्मदापुरम की हॉकी प्रतिभाओं का देशभर में डंका, अंडर-18 भारतीय टीम में जिले के तीन खिलाड़ियों का चयन

इटारसी। हॉकी की उभरती नर्सरी बन चुके नर्मदापुरम जिले ने एक बार फिर राष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। भोपाल में आयोजित होने वाली भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज के लिए घोषित भारतीय टीम में जिले के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इस उपलब्धि से पूरे जिले में उत्साह और गर्व का माहौल है। खेल प्रेमी, कोच और खिलाड़ी इसे नर्मदापुरम की हॉकी परंपरा के लिए ऐतिहासिक क्षण मान रहे हैं। भारतीय टीम में चयनित खिलाड़ियों में महक परिहार, अंश बहुत्रा और गाजी खान शामिल हैं। महक परिहार वर्तमान में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ग्वालियर से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं और महिला अंडर-18 टीम में गोलकीपर की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वहीं अंश बहुत्रा पुरुष टीम में डिफेंस लाइन को मजबूत करेंगे, जबकि गाजी खान फॉरवर्ड खिलाड़ी के रूप में विपक्षी टीम पर आक्रमण की जिम्मेदारी संभालेंगे। तीनों खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और निरंतर मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी सीरीज 15 मई से 20 मई तक भोपाल स्थित उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में आयोजित होगी। इस प्रतिष्ठित सीरीज में देशभर की निगाहें युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी। नर्मदापुरम के खिलाड़ियों के चयन से स्थानीय युवाओं में भी नया उत्साह देखने को मिल रहा है और खेल के प्रति आकर्षण बढ़ा है। हॉकी नर्मदापुरम के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर, सचिव साजिद मलिक और कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंह सैनी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता वर्षों की मेहनत, समर्पण और सही मार्गदर्शन का परिणाम है। कोच कन्हैया गुरयानी ने कहा कि इन खिलाड़ियों का भारतीय टीम तक पहुंचना जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा है। संरक्षक अतुल सेठा ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले और देश का नाम रोशन करेंगे। हॉकी नर्मदापुरम ने इस उपलब्धि के लिए हॉकी मध्यप्रदेश, हॉकी अकादमी भोपाल तथा कोच समीर दाद का आभार व्यक्त किया है। खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि नर्मदापुरम के ये युवा सितारे अपनी प्रतिभा और खेल कौशल से भारतीय टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

-उमंग सिंघार ने केन-बेतवा परियोजना को लेकर मप्र सरकार को घेरा

आदिवासियों का चिता आंदोलन बीजेपी की संवेदनहीनता का प्रमाण

भोपाल। उमंग सिंघार ने छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना के विरोध में चल रहे 'चिता आंदोलन' को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों का सांकेतिक चिताओं पर लेटना भाजपा सरकार की संवेदनहीनता के खिलाफ दर्दभरी पुकार है लेकिन सरकार उनकी आवाज़ सुनने के बजाय पुलिस कार्रवाई और दमन का रास्ता अपना रही है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार महिला सशक्तीकरण की बात करती है, उसी शासन में महिलाएं अपने बच्चों के साथ सांकेतिक चिताओं पर लेटने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर आदिवासी परिवारों को विस्थापित कर कॉरपोरेट हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी आदिवासी समाज के अधिकारों और अस्मिता की लड़ाई में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और यह संघर्ष सड़क से सदन तक जारी रहेगा।

स्थानीय निवासियों का आंदोलन जारी- छतरपुर और पन्ना जिलों की सीमा पर स्थित धोड़न डैम (दौधन) क्षेत्र में केन-बेतवा लिंक परियोजना के खिलाफ शनिवार से चल रहा 'चिता आंदोलन' सोमवार को और तेज़ हो गया। रविवार को भी सैकड़ों ग्रामीणों ने सांकेतिक चिताओं पर लेटकर विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलन के दौरान आदिवासी महिलाएं अपने बच्चों के साथ चिताओं पर लेटी नजर आईं। विरोध कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि वे अपनी जमीन, जंगल और आजीविका बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में उनके नेता अमित भटनागर की तत्काल रिहाई और विस्थापित परिवारों को उचित मुआवजा, पुनर्वास तथा वैकल्पिक भूमि देने की मांग शामिल है।

उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा

उमंग सिंघार ने इस आंदोलन में महिलाओं और बच्चों के सांकेतिक चिताओं पर लेटने की घटना को भाजपा सरकार की संवेदनहीनता करार देते हुए बीजेपी पर आदिवासी समाज की आवाज दबाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना के विरोध में महिलाओं और बच्चों का चिताओं पर लेटना सरकार के खिलाफ एक दर्दभरी पुकार है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश के आदिवासी परिवार अपनी जल, जंगल और जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं लेकिन सरकार उनकी मांगें सुनने की बजाय दमन का रवैया अपना रही है। कांग्रेस नेता ने कहा है कि उनकी पार्टी आदिवासी समाज की अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और यह न्याय की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।

विनोद यदुवंशी बेस्ट हेरिटेज होटल अवॉर्ड से सम्मानित

छिंदवाड़ा जिला गौली यदुवंशी समाज के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद यदुवंशी को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में ÷बेस्ट हेरिटेज होटल÷ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 126 साल पुरानी भोपाल की ऐतिहासिक सदर मंजिल के पुनर्निर्माण को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। साथ ही हरिद्वार में गंगाजी किनारे उनका फाइव स्टार होटल ÷भागीरथी÷ भी शुरू हो चुका है। छिंदवाड़ा का नाम देशभर में रोशन करने पर उन्हें इस्टमित्रो ने बधाई दी, कार्यक्रम में जुनारदेव विधायक सुनील उइके उपस्थित थे.

मप्र के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिल्ली प्रवास के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से आत्मीय सौजन्य भेंट हुई। इस अवसर पर उन्हें पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही मध्यप्रदेश के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं, संगठनात्मक विषयों एवं समसामयिक मुद्दों पर उनसे सार्थक संवाद हुआ।

केन्द्रीय मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता वीरेंद्र खटीक के सुपुत्र केसरी नंदन एवं प्रेरणा के विवाह उपरांत सागर में आयोजित आशीर्वाद समारोह में भाजपा नेता गोपाल भार्गव ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ सम्मिलित होकर नवदंपती को सुखमय, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। ईश्वर से प्रार्थना है कि नवयुगल का दांपत्य जीवन प्रेम, विश्वास, सौहार्द एवं खुशियों से परिपूर्ण रहे।

कलेक्टर ने गैपरा गेहूं खरीदी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

मुरैना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में गेहूं उपार्जन प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम एवं किसान हितैषी बनाया गया है। इसी क्रम में स्लॉट बुकिंग की तिथि में वृद्धि की गई है तथा किसानों को उपज का भुगतान समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सोमवार को जौरा विकासखंड अंतर्गत गैपरा गेहूं खरीदी केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र पर उपस्थित किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा पेयजल, छाया, बैठने एवं तौल व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप खरीदी प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, व्यवस्थित एवं किसान हितैषी ढंग से संचालित की जाए, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)